

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उतराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार 13 अप्रैल 2026 वर्ष-9, अंक-78 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com [www.facebook.com/krantisamay1](https://www.facebook.com/krantisamay1) [www.twitter.com/krantisamay1](https://www.twitter.com/krantisamay1)

संक्षिप्त समाचार

## दुश्मनों के लिए काल बनेगी धुवास्त्र मिसाइल

● एपीजे अब्दुल कलाम ने की थी कल्पना, अब सेना में होगी शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन द्वारा विकसित धुवास्त्र मिसाइल भारतीय सेना के बेड़े में शामिल होने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह हेलीकॉप्टर से दागी जाने वाली नाग एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल का आधुनिक संस्करण है, जिसे पहले हेलिना के नाम से जाना जाता था। यह मिसाइल न केवल भारत की आत्मनिर्भर भारत



मुहिम को मजबूती प्रदान करेगी, बल्कि युद्ध के मैदान में खासकर ऊंचे पहाड़ी इलाकों में भारतीय वायुसेना और थल सेना की माक क्षमता को कई गुना बढ़ा देगा।

थर्ड-जनरेशन फायर एंड फॉरगेट प्रणाली शामिल- धुवास्त्र भारत के इंटीग्रेटेड गाइडेड मिसाइल डेवलपमेंट प्रोग्राम का हिस्सा है। इसकी परिकल्पना 1980 के दशक में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के नेतृत्व में की गई थी। नाग मिसाइल परिवार के तहत अब तक जमीन से दागी जाने वाली नाग, कैरियर और मैन-पोर्टेबल जैसे कई संस्करण तैयार किए जा चुके हैं। धुवास्त्र इसी कड़ी का हवाई संस्करण है। धुवास्त्र की सबसे बड़ी ताकत इसकी थर्ड-जनरेशन फायर एंड फॉरगेट प्रणाली है। एक बार लक्ष्य पर लॉक होने के बाद, मिसाइल ऑटोमैटिक रूप से उसे ट्रैक कर नष्ट कर देती है। यह मिसाइल खराब मौसम और रात के अंधेरे में भी दुश्मन के टैंकों की गर्मी को पहचान कर उन्हें सटीक निशाना बना सकती है।

## यूपी का बुलडोजर बंगाल में गुंडों का इलाज करेगा

● योगी बोले-दंगाइयों का इलाज सिर्फ माजपा के पास है

कोलकाता (एजेंसी)। सीएम योगी ने रविवार को पश्चिम बंगाल में कहा- टीएमसी के लोग चाहते हैं कि आधी आबादी उर्दू बोली। उनसे कहिए कि जहां उर्दू बोली जाती है, वहां चले जाएं। बंगाल में बांग्ला ही बोली जाएगी। बंगाल में गुंडों का इलाज यूपी का बुलडोजर करेगा। बुलडोजर केवल सड़कें नहीं बनाता, माफियाओं का भी इलाज करता है। बेटियों की इज्जत से खिलवाड़ करने वालों की पसलियों को मसल डालता है। सीएम ने



टीएमसी नेताओं को मुस्लिम वोटबैंक की सौदागर करार दिया। उन्होंने कहा- यूपी में अब सड़कों पर नमाजें नहीं पढ़ी जाती हैं। मस्जिदों से चिल्लाने की आवाज नहीं आती है। लव जिहाद के लिए सख्त कानून है। गो-हत्या नहीं हो सकती है। हर बेटे, हर व्यापारी सुरक्षित है। हर हाथ को काम है, हर खेत में पानी है। यूपी के विकास को कांग्रेस और सपा भी नहीं रोक पाई है। योगी ने कहा- जो गुंडागर्दी आज बंगाल में है, वही 9 साल पहले यूपी में थी। हर पर्व और त्योहार पर दंगे होते थे। महीनों-महीनों कर्फ्यू लगता था। व्यवसाय ठप पड़े रहते थे। सरकार के समानांतर (वैरल) गुंडे-माफिया शासन करते थे। 2017 में यूपी में डबल इंजन की सरकार आई।

## नहीं रहीं 'सुरों की मल्लिका' आशा ताई



92 साल की उम्र में ली अंतिम सांस, संगीत जगत के लिए बड़ा झटका

मुंबई (एजेंसी)। संगीत जगत को एक बड़ा झटका लगा है। सैकड़ों फिल्मों के गीतों को स्वर्ण से सजाने वाली और शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में भी खास मुकाम हासिल करने वाली 92 साल की गायिका आशा भोसले ने इस दुनिया को अलविदा कह दिया है। काडिफ़ेक अरेस्ट और फेफड़ों में इन्फेक्शन की वजह से शनिवार को ही उन्हें ब्रीच कैन्ड्री अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। रविवार सुबह से ही उनकी हालत नाजुक बनी हुई थी। आशा भोसले के निधन के बाद बॉलिवुड इंडस्ट्री में मातम पसर गया है। आशा भोसले को दादासाहेब फाल्के और देश के दूसरे सबसे बड़े नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था। उनकी पोती जनाई भोसले ने बताया था, मेरी दादी आशा भोसले ज्यादा कमजोर होने की वजह से सीने के इन्फेक्शन से जूझ रही हैं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया था कि उनकी हालत गंभीर है।

## आज होगा अंतिम संस्कार

जानकारी के मुताबिक सोमवार को उनका अंतिम संस्कार होगा। उनका पार्थिव शरीर सुबह 11 बजे लोअर पेरल में उनके घर पर ही अंतिम दर्शन के लिए उखा जाएगा। इसके बाद शाम को 4 बजे दादर के शिवाजी पार्क में अंतिम संस्कार होगा। यहीं पर लता मंगेशकर का भी अंतिम संस्कार किया गया था।

## रिकॉर्ड किए 12 हजार से ज्यादा गाने

भोसले, दिग्गज गायिका दिवंगत लता मंगेशकर की छोटी बहन हैं। उन्होंने विभिन्न भारतीय भाषाओं में 12,000 से अधिक गाने रिकॉर्ड किए हैं और पश्चिमी एवं वैजयंतीमाला जैसी दक्षिण भारतीय अभिनेत्रियों से लेकर मीना कुमारी, मधुबाला, जीनत अमान, काजोल और उर्मिला मातोंडकर सहित कई प्रमुख अभिनेत्रियों को अपनी आवाज दी है। भोसले के कुछ लोकप्रिय गानों में चुरा लिया है तुमने जो दिल को, अभी ना जाओ छेड़कर, इंतहा हो गई इंतजार की आदि शामिल हैं। उन्होंने 2023 में अपने जन्मदिन के उपलक्ष्य में दुबई में आयोजित एक विशेष संगीत कार्यक्रम आशा 90 लाइव इन कॉन्सर्ट में प्रस्तुति दी थी। आशा भोसले ऐसी पहली भारतीय सिंगर थीं जो कि ग्रैमी अवॉर्ड के लिए नॉमिनेट हुई थीं। उन्होंने 20 से ज्यादा भाषाओं में गीतों को अपनी आवाज दी।

## महिला आरक्षण विधेयक पर सरकार की पूरी तैयारी

बीजेपी ने सांसदों को जारी किया 3 लाइन की व्हिप

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी ने अपने सभी सांसदों को तीन लाइन का व्हिप जारी कर उनसे गुरुवार से शुरू होने वाले संसद के विस्तारित बजट सत्र के दौरान अपने-अपने सदन में उपस्थित रहने को कहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने 16 से 18 अप्रैल तक तीन दिन का विशेष सत्र बुलाया है। इस दौरान महिला आरक्षण अधिनियम में प्रस्तावित संशोधनों पर विचार करने एवं इन्हें पारित करने के लिए पेश किए जाने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने गत बुधवार (आठ अप्रैल) को उन प्रारूप विधेयकों को मंजूरी दे दी जिनका उद्देश्य 2029 के संसदीय चुनाव से पहले महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करना और लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाकर 816 करना है। इमं में से



273 सीट महिलाओं के लिए आरक्षित होगी। भाजपा ने अपने सभी सांसदों को भेजे संदेश में कहा, 16 से 18 अप्रैल 2026 तक यानी आगामी गुरुवार से शनिवार तक लोकसभा और राज्यसभा में भाजपा के सभी सदस्यों को तीन-लाइन का व्हिप जारी किया जा रहा है।

## परिसीमन कानून में संशोधन के लिए अलग बिल लाएगी सरकार

राज्यों की विधानसभाओं में भी इसी अनुपात में सीटों का आरक्षण होगा। सरकार एक संशोधन बिल के एक संविधान साथ-साथ परिसीमन कानून में संशोधन के लिए अलग साधारण बिल भी लाएगी। ताकि नए सिरे से सीटों का निर्धारण हो सके। नई सीटों का निर्धारण 2027 की जनगणना के बजाय 2011 की जनगणना के आधार पर किया जा सकता है।

## भागवत उवाच, हिंदू समाज में एकता की है कमी

संघ प्रमुख ने कहा-ये बार-बार गुलामी की बड़ी वजह

निजामाबाद (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि केशव बलिराम हेडगेवार ने देश को विदेशी शासन से आजाद कराने और हिंदुओं के बीच फूट को खत्म करने के मकसद से आरएसएस की स्थापना की थी। उन्होंने कहा कि

● हेडगेवार ने एकता और आजादी के लिए आरएसएस बनाया था

हेडगेवार का मानना था कि समाज में एकता की कमी ही बार-बार गुलामी की बड़ी वजह रही। संघ प्रमुख ने कहा कि हेडगेवार ने ब्रिटिश शासन को खत्म करने के लिए राजनीतिक और हथियारबंद विरोध समेत कई रास्तों पर काम किया था। भागवत ने कहा कि आजादी के लिए काम करते हुए हेडगेवार को यह एहसास हुआ कि अंग्रेज भारतीयों को गुलाम बनाने वाले पहले बाहरी शासक नहीं थे। उनके मुताबिक, समस्या सिर्फ बाहर से आने वाली ताकत नहीं थी, बल्कि समाज के भीतर भी



एक कमी थी। भागवत शनिवार को तेलंगाना के निजामाबाद जिले के कंडाकुर्थी गांव में श्री केशव स्मृति मंदिर के उद्घाटन के बाद बोल रहे थे। यह गांव हेडगेवार का पैतृक गांव है। उन्होंने कहा- हममें कोई कमी थी, जिसकी वजह से हमें बार-बार हार का सामना करना पड़ा। इसलिए उस कमी को दूर करना जरूरी था।

## हिंदुत्व का मतलब दूसरों के साथ मिलकर रहना

हिंदुत्व का मतलब दूसरों के साथ मिलकर रहना, अपने रास्ते पर चलना और बाकी लोगों का सम्मान करना है। आरएसएस की प्रार्थना भी इन्हीं गुणों को दिखाती है और शाखा में आने वालों में यही संस्कार विकसित होते हैं। हेडगेवार हिंदुओं को मजबूत, निडर और अच्छे इंसान बनाने के पक्ष में थे। हेडगेवार का मानना था कि अगर इन कमियों को दूर नहीं किया गया, तो देश को बार-बार आजादी के लिए संघर्ष करना पड़ेगा। आरएसएस की स्थापना किसी के खिलाफ नहीं हुई थी। इसे किसी पर हमला करने के लिए नहीं, बल्कि अपनी मातृभूमि को गुलामी से मुक्त कराने के लिए शुरू किया गया था। जैसा हेडगेवार ने सोचा था, उसी दिशा में काम करने वाले कार्यकर्ता आज सक्रिय हैं और समाज को मजबूत बनाने में लगे हैं। कंडाकुर्थी में बना स्मृति केंद्र देश के लिए निस्वार्थ भाव से काम करने की प्रेरणा देगा।

## स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर फंसे हैं 20,000 भारतीय नाविक

ईरान युद्ध के बीच भारत ने लॉन्च किया स्पेशल ऑपरेशन



नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और अमेरिका के बीच पाकिस्तान बातचीत फेल होते ही भारत लर्ट मोड में आ गया है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में फंसे 18 जहाजों ने निकालने के लिए भारत ने ऑपरेशन शुरू कर दिया है। इन जहाजों पर लदा माल भारत आना

## एलपीजी जहाज ने पार किया होर्मुज

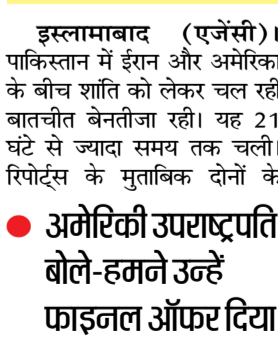
बंदरगाहों को इन जहाजों को बर्thing में प्राथमिकता देने का निर्देश दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार एलपीजी जहाज ग्रीन आशा ने होर्मुज जलडमरूमध्य को पार कर लिया है और मुंबई स्थित पोर्ट की ओर बढ़ रहा है। भारत के अभियान से बंदरगाहों को कुछ राहत मिलने की उम्मीद है, जहां करीब 106,890 केंजी की कटैनर और बड़ी मात्रा में खराब होने वाला माल फंसा हुआ है।

## असम के बाद अब बंगाल का रुख करेंगे हेमंत सोरेन

रांची (एजेंसी)। असम में अपने दल झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के उम्मीदवारों के पक्ष में धुआंधार चुनाव प्रचार करने के बाद अब मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन असम में भी प्रचार करेंगे। ममता बनर्जी के समर्थन में झामुमो पूरी ताकत झांकेने की तैयारी में है। 2021 के विधानसभा चुनाव में भी हेमंत सोरेन ने तुणमूल के पक्ष में प्रचार किया था, जिसका असर खासकर आदिवासी बहुल क्षेत्रों में देखने को मिला था।

## ईरान-अमेरिका के बीच नहीं बन पाई बात

इस्लामाबाद में 21 घंटे तक चली बातचीत बेनतीजा रही



इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में ईरान और अमेरिका के बीच शांति को लेकर चल रही बातचीत बेनतीजा रही। यह 21 घंटे से ज्यादा समय तक चली। रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों के



● अमेरिकी उपराष्ट्रपति बोले-हमने उन्हें फाइनल ऑफर दिया



है। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी समझौते के लिए जरूरी है कि ईरान ये वादा करे कि वह परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। अमेरिका की शर्तें स्पष्ट थीं, लेकिन ईरान ने उन्हें नहीं माना। वेंस ने यह भी कहा कि आगे समझौते की संभावना पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। उन्होंने कहा, हम उन्हें फाइनल ऑफर देकर जा रहे हैं। अब

## ईरान बोला-अमेरिका हमारा भरोसा जीतने में नाकाम रहा

ईरानी संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने इस्लामाबाद में हुई बातचीत खत्म होने के बाद अपना पहला आधिकारिक बयान जारी किया है। उन्होंने कहा कि इस दौर की बातचीत में दूसरा पक्ष (अमेरिका) ईरानी प्रतिनिधियों का भरोसा जीतने में नाकाम रहा। गालिबाफ ने कहा कि बातचीत शुरू होने से पहले ही उन्होंने स्पष्ट कर दिया था कि ईरान की ओर से नीयत और इच्छा दोनों मौजूद हैं, लेकिन पिछले दो युद्धों के अनुभवों की वजह से उन्हें दूसरे पक्ष पर भरोसा नहीं है। गालिबाफ ने इस बातचीत को मुमकिन बनाने के लिए पाकिस्तान का धन्यवाद किया।

# जलियांवाला बाग: आज़ादी की वो कीमत, जिसे हिंदुस्तान कभी नहीं भूलेगा

(लेखक - दिलीप कुमार पाठक)

13 अप्रैल जलियांवाला बाग हत्याकांड स्मृति दिवस)

इतिहास के पन्नों में कुछ तारीखें ऐसी होती हैं जो स्याही से नहीं, बल्कि इंसानी लहू से लिखी जाती हैं। 13 अप्रैल 1919 की वह मनहूस शाम भी एक ऐसी ही तारीख थी, जिसने न केवल पंजाब की मिट्टी को लाल किया, बल्कि सोए हुए समूचे हिंदुस्तान की सोई हुई आत्मा को भी झकझोर कर रख दिया। अमृतसर का वह छोटा सा मैदान, जिसे दुनिया आज जलियांवाला बाग के नाम से जानती है, महज ईंट-पत्थरों का बना कोई स्मारक नहीं है। वह गवाह है उस अमानवीय बर्बरता का जिसे सुनकर आज भी रोंगटे खड़े हो जाते हैं, और वह प्रतीक है उस अटूट हौसले का जिसने दुनिया के सबसे बड़े ब्रिटिश साम्राज्य के पतन की नींव रख दी थी। बैसाखी का पावन दिन था। पंजाब के गाँवों और शहरों में उत्सव का माहौल होना चाहिए था। लोग नए कपड़े पहनकर मेलों की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन अमृतसर की हवाओं में एक अजीब सी बेचैनी घुली हुई थी। पूरा देश रोलेट एक्ट जैसे काले कानून के खिलाफ गुस्से में उबल रहा था, जिसने बिना दलील और बिना वकील के किसी को भी जेल भेजने की ताकत अंग्रेजों को दे दी थी। इसी अन्याय के खिलाफ अपनी शांतिपूर्ण आवाज दर्ज कराने के लिए शाम के वक्त करीब बीस हजार लोग उस बाग में इकट्ठा हुए थे। उस विशाल भीड़ में मासूम बच्चे थे, अपने परिवारों के साथ आई महिलाएँ थीं और वे बुजुर्ग भी थे जो अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में माथा टेकने के बाद सुस्ताने के लिए वहाँ रुके थे।

किसी को भी इस बात का रती भर भी अंदाजा नहीं था कि अगले कुछ मिनट उनकी ज़िंदगी के आखिरी पल साबित होने वाले हैं। शाम के करीब सवा पांच बजे थे, जब अचानक जनरल रेजिनल्ड डायर अपने नब्बे सशस्त्र सैनिकों के साथ उस बेहद संकरे रास्ते से दाखिल हुआ, जो बाग के अंदर आने और बाहर जाने का एकमात्र मार्ग था। उसने न तो भीड़ को तितर-बितर होने की कोई चेतावनी दी और न ही शांति की कोई अपील की। उसने बस पत्थर दिल होकर एक क्रूर आदेश दिया— फायर! अगले दस मिनट तक जो मंजर वहाँ दिखा, वह मानवता के इतिहास पर सबसे गहरा और बदनुमा कलंक था। सैनिकों की रायफलें तब तक आग उगलती रहीं जब तक कि उनकी आखिरी गोली खत्म नहीं हो गई। बाग की दीवारें सात-आठ फीट ऊँची थीं और एकमात्र निकास द्वार पर मौत का पहरा था। लोग बदहवास होकर अपनी जान बचाने के लिए उन दीवारों पर चढ़ने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन डायर के सिपाही जानबूझकर उन्हीं को निशाना बना रहे थे। चीख-पुकार, धुएँ और मलबे के बीच, अपनी जान बचाने की जद्दोजहद में सैकड़ों लोगों ने उस पुराने कुएं में छलांग लगा दी, जिसे आज हम शहीदी कुआँ कहते हैं। देखते ही देखते वह कुआँ लाशों से ढक गया। सरकारी रिपोर्ट्स भले ही मरने वालों की संख्या 379 बताते हों, लेकिन हकीकत यह थी कि उस शाम हजारों घरों के चिराग हमेशा के लिए बुझ गए थे।

इस जघन्य हत्याकांड ने पूरी दुनिया की अंतरात्मा को हिलाकर रख दिया। यह वह ऐतिहासिक मोड़ था जहाँ से अंग्रेजों की भारत से विदाई की उल्टी गिनती शुरू हुई। इस घटना के विरोध में गुरुदेव रबींद्रनाथ टैगोर ने अपनी नाइटहुड की उपाधि त्याग दी और

महात्मा गांधी का वह विश्वास पूरी तरह टूट गया जो वे कभी अंग्रेजी न्याय प्रणाली में रखते थे। जलियांवाला बाग के इसी खूनी मंजर ने एक 15 साल के किशोर ऊधम सिंह के भीतर प्रतिशोध का ऐसा लावा भरा कि उन्होंने 21 साल तक इस अपमान की आग को अपने सीने में जलाए रखा। अंततः साल 1940 में लंदन के कैक्सटन हॉल में जाकर उन्होंने जनरल ओडायर को मौत के घाट उतारा और दुनिया को बताया कि हिंदुस्तान अपने शहीदों का अपमान कभी नहीं भूलता।

यह जलियांवाला बाग ही था जिसने भगत सिंह जैसे अनगिनत क्रांतिकारियों के दिलों में आज़ादी का बीज बोया। कहते हैं कि भगत सिंह इस घटना के बाद कई मील पैदल चलकर यहाँ आए थे और इस बाग की खूनी मिट्टी को एक बोतल में भरकर ले गए थे, ताकि वह उन्हें हर पल गुलामी की बेड़ियों को तोड़ने की याद दिलाती रहे। आज, जब हम आज़ादी की खुली हवा में गर्व से सांस लेते हैं, तो हमें उन दीवारों की ओर एक बार जरूर देखना चाहिए जो आज भी गोलियों के निशानों को अपनी छाती पर लिए खड़ी हैं।

वे निशान आज भी हमसे यह सवाल करते हैं कि जिस अखंड और मजबूत भारत के लिए उन्होंने अपना सीना छलनी करवाया था, क्या हम आज उस विरासत को संभाल पा रहे हैं?



जलियांवाला बाग हत्याकांड की

## स्मृति दिवस

पर देश के सभी वीर शहीदों को कोटि-कोटि नमन

13 अप्रैल का यह दिन केवल इतिहास को दोहराने या शोक मनाने का नहीं है, बल्कि यह खुद के भीतर झाँकने और अपनी राष्ट्रीय जिम्मेदारियों को समझने का दिन है। उन शहीदों के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम देश की एकता और अखंडता को किसी भी संकीर्ण सोच की भेंट न चढ़ने दें। जलियांवाला बाग की मिट्टी आज भी पवित्र है क्योंकि उसमें हमारे पुरखों का पसीना और लहू एक साथ मिला हुआ है। हमें यह हमेशा

याद रखना होगा कि जिस आज़ादी का उत्सव हम मनाते हैं, उसकी जड़ें उसी बाग की नम और खूनी मिट्टी में कहीं गहरी घँसी हुई हैं। हिंदुस्तान उस महान बलिदान को कभी नहीं भूल सकता, और एक सजग नागरिक के तौर पर हमें भी इसे कभी विस्मृत नहीं होने देना चाहिए।

(लेखक पत्रकार हैं)  
(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

## जासूसी का जाल, साजिश रचने में लगा आईएसआई

दिल्ली पुलिस द्वारा आईएसआई से जुड़े एक और आतंकी गुट का भंडाफोड़ पाकिस्तान की भारत विरोधी साजिशों को उजागर करता है। पाकिस्तान संवेदनशील टिकानों की जासूसी और आतंकी हमलों की योजना बना रहा है। दिल्ली पुलिस की ओर से पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े संधिगत आतंकीयों के एक और गुट का भंडाफोड़ यही बताता है कि पाकिस्तान भारत के खिलाफ बड़े पैमाने पर साजिश रचने में लगा हुआ है और उसने भारत के संवेदनशील टिकानों की जासूसी के लिए एक बड़ा नेटवर्क खड़ा कर लिया है। चिंता की बात केवल यह नहीं कि पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाले संधिगत आतंकी उसे महत्वपूर्ण स्थलों के लाइव फुटेज भेज रहे, बल्कि यह भी है कि वे ऐसे टिकानों की भी जानकारी प्रेषित कर रहे, जहाँ आतंकी हमले किए जा सकें। इसका मतलब है कि आपरेशन सिंदूर में पस्त होने से बौखलाया पाकिस्तान भारत में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए हर संभव तरीके से हाथ-पंजर मार रहा है। एक ओर वह अमेरिका की चापलूसी करके अपनी अंतरराष्ट्रीय छवि सुधारने की चेष्टा के साथ खुद को शांति दूत के रूप में पेश कर रहा है और दूसरी ओर आतंकी को पालन-पोसने से बाज नहीं आ रहा है। वह जैसी खतरनाक भारत विरोधी हरकतों में लिप्त है, उससे यही पता चलता है कि वह पहले की ही तरह जिहादियों को तैयार करने में लगा हुआ है। भारत को पाकिस्तान को चेताने के साथ ही उसके शैतानी चेहरे को बेनकाब करने के लिए नए सिरे से सक्रियता दिखानी होगी, क्योंकि उसके यहां का आतंकी ढांचा जस का तस है। वहां किस प्रकार पहले की ही तरह जिहादी तैयार हो रहे हैं, इसका ताजा उदाहरण हाल में कश्मीर में पाकिस्तानी आतंकी की गिरफ्तारी है। इसके अलावा गत दिनों एक पाकिस्तानी इस्लामिक स्टेट से प्रेरित होकर न्यूयार्क के एक यहूदी केंद्र पर आतंकी हमले की साजिश में पकड़ा गया। इस पर अमेरिका के साथ पश्चिम के अन्य देशों को भी गौर करना होगा, क्योंकि यह पहला ऐसा मामला नहीं, जब कोई पाकिस्तानी आतंकी विदेश में किसी आतंकी हमले की साजिश में लिप्त पाया गया हो। दुनिया को समझना होगा कि पाकिस्तान अब भी आतंक का निर्यात करने में लगा हुआ है। वह भारत के साथ अफगानिस्तान को भी अस्थिर करने की ताकत में है। हमारे नीति-निर्णयों को इससे चिंतित होना चाहिए कि पाकिस्तान को अपने लिए जासूसी करने यानी भारत से गद्दारी करने वाले तत्व इतनी आसानी से कैसे मिल जा रहे हैं। इससे इन्कार नहीं किया जा सकता कि वे या तो जिहादी बनने के उन्माद से ग्रस्त होकर पाकिस्तान के हाथों में खेल रहे हैं या फिर पैसों के लालच में देश के दुश्मन बन जा रहे हैं। यह गंभीर बात है कि पिछले एक अर्से से ऐसे तत्व बड़ी संख्या में देश के विभिन्न हिस्सों से पकड़े गए हैं, जो पाकिस्तानी हैंडलरों के संपर्क में थे और उनके लिए भारत में आतंक फैलाने के लिए काम कर रहे थे। साफ है कि पुलिस और खुफिया एजेंसियों को और अधिक चौकसी बरतनी होगी।

# आशा भोसले: सुरों की ऐसी यात्रा जिसने भारतीय संगीत को दी नई पहचान

(लेखक - डॉ. हिरदायत अहमद खान)

भारतीय संगीत के इतिहास में कुछ ही कलाकार ऐसे हुए हैं जिन्होंने अपनी प्रतिभा, प्रयोगशीलता और दीर्घकालिक योगदान से समय की सीमाओं को लांघा और अमर हो गए। ऐसी ही एक महान हस्ती का नाम आशा भोसले हैं, जिनकी आवाज ने न केवल हिंदी सिनेमा को समृद्ध किया, बल्कि 20 से अधिक भाषाओं में 12,000 से ज्यादा गीतों के माध्यम से वैश्विक पहचान भी बनाई। उनका नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज होना इस बात का प्रमाण है कि उनका योगदान सिर्फ लोकप्रियता तक सीमित नहीं रहा, बल्कि ऐतिहासिक उपलब्धि भी है। विश्व में भारतीय संगीत को एक नई पहचान दिलवाने वाली, 92 वर्ष की अथक जीवन यात्रा पूर्ण कर आशा भोसले यूं तो रविवार 12 अप्रैल 2026 को इस फानी दुनियाँ से हमेशा के लिए कूच कर गईं, लेकिन उनकी सुर साधना हमेशा संगीत प्रेमियों के दिलों में राज करती रहेगी।

सुर-संगीत की महान साधिका आशा भोसले का जन्म 8 सितंबर 1933 को महाराष्ट्र के सांगली में एक संगीत परिवार में हुआ था। उनके पिता पंडित दीनानाथ मंगेशकर एक प्रसिद्ध शास्त्रीय गायक थे, और घर का वातावरण शुरू से ही संगीत से परिपूर्ण था। ऐसे माहौल में पली-बढ़ी आशा ने बहुत कम उम्र में ही संगीत की दुनियाँ में कदम रखा। महज 10 साल की उम्र में उन्होंने अपना पहला मराठी गीत 'चला चला नव बाल' गाया था, जिसे उन्होंने अपनी बड़ी बहन लता मंगेशकर के साथ रिकॉर्ड किया। यह अनुभव उनके लिए प्रेरणादायक साबित हुआ और यहीं से उनके जीवन की संगीत यात्रा ने दिशा पकड़ी। हालांकि, आशा भोसले की जिंदगी का सफर

आसान नहीं था। संगीतकार परिवार से आने और लता मंगेशकर जैसी महान गायिका की बहन होने के बावजूद उन्हें शुरुआती दौर में कड़ा संघर्ष करना पड़ा। उस समय लता मंगेशकर पहले से ही भारतीय फिल्म संगीत की शीर्ष गायिका बन चुकी थीं, और उनकी छाया में आशा को अपनी अलग पहचान बनाने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी। उनकी आवाज शुरू में लता मंगेशकर से काफी मिलती-जुलती थी, जिससे कई बार भ्रम की स्थिति भी पैदा हो जाती थी। एक घटना में तो एक रिकॉर्डिंग को गलत तरीके से आशा का समझ लिया गया, जबकि वह उनकी बहन का गीत था। इस अनुभव ने उन्हें गहराई से सोचने पर मजबूर कर दिया कि अगर वे अपनी शैली नहीं बदलेंगी, तो हमेशा तुलना के तराजू में तौली जाती रहेंगी।

इसके बाद आशा भोसले ने अपने संगीत करियर में एक बड़ा निर्णय लिया, उन्होंने अपनी गायकी की शैली को पूरी तरह बदलने का बीड़ा उठाया। उन्होंने पश्चिमी संगीत, अंग्रेजी फिल्मों और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय शैलियों का अध्ययन शुरू किया। उन्होंने कव्वाली, गज़ल और कैबरे जैसे विविध रूपों में अपनी आवाज को ढालना सीखा। यही प्रयोगशीलता आगे चलकर उनकी सबसे बड़ी ताकत बनी। उन्होंने भारतीय फिल्म संगीत को एक नया रंग दिया और खुद को एक वसंटावल गायिका के रूप में स्थापित किया। आशा भोसले ने न केवल मधुर प्रेम गीत गाए, बल्कि बोल्ड और प्रयोगात्मक गीतों को भी अपनी आवाज दी। 'दम मारो दम' और 'कृपया तू अब तो आजाऊ जैसे गाने उस दौर के युवा वर्ग की दिलों के धड़कन बन



गए। उनके ऐसे गीत जहाँ काफी चर्चित हुए वहीं विवादित भी रहे। समय बदलने के साथ ही वे गीत भारतीय संगीत के क्लासिक बन गए। उनकी यह क्षमता कि वे हर तरह के संगीत को सहजता से अपना लेती थीं, उन्हें अन्य गायकों से अलग बनाती थी।

अपने लंबे करियर में आशा भोसले ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल कीं। वे पहली भारतीय महिला गायिका बनीं जिन्हें ग्रैमी पुरस्कार नामांकन मिला। इसके अलावा, 2011 में उनके नाम पर सबसे अधिक स्टूडियो रिकॉर्डिंग का विश्व रिकॉर्ड दर्ज किया गया, जो उनकी अद्भुत कार्यक्षमता और निरंतरता को दर्शाता है।

यहां कहा जा सकता है कि संगीत की दुनियाँ में आशा भोसले की सबसे बड़ी विशेषता उनकी बहुमुखी प्रतिभा और नव से नवीन प्रयोग करने का साहस रहा है। उन्होंने कभी खुद को एक शैली तक सीमित नहीं रखा और हर नए प्रयोग को अवसर के रूप में अपनाया। यही कारण है कि वे भारतीय संगीत की सबसे प्रभावशाली और लंबे समय तक गीतों को अपनी आवाज देने वाली बुनिदा गायिकाओं में गिनी जाती हैं।

आज आशा भोसले भले हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी आवाज न केवल संगीत बल्कि एक युग का प्रतिनिधित्व करती नजर आती है। एक ऐसा युग जिसने भारतीय फिल्म संगीत को विविधता, प्रयोग और अंतरराष्ट्रीय पहचान दी। उनकी यात्रा यह सिखाती है कि प्रतिभा के साथ यदि साहस और निरंतर सीखने की इच्छा हो, तो कोई भी कलाकार सीमाओं को पार कर इतिहास रच सकता है।

## शुद्ध भक्त सर्वोत्तम

निर्विशेषवादी के लिए ब्रह्मभूत अवस्था अर्थात् ब्रह्म से तदाकार होना परम लक्ष्य होता है। लेकिन साकारवादी शुद्धभक्त को इससे भी आगे शुद्ध भक्ति में प्रवृत्त होना होता है। इसका अर्थ हुआ जो भगवद्भक्ति में रत है, वह पहले ही मुक्ति की अवस्था, जिसे ब्रह्मभूत या ब्रह्म से तादात्म्य कहते हैं, प्राप्त कर चुका होता है। परमेयर या परब्रह्म से तदाकार हुए बिना कोई उनकी सेवा नहीं कर सकता। परम ज्ञान होने पर सेव्य तथा सेवक में कोई अन्तर नहीं कर सकता, फिर भी उच्चतर आध्यात्मिक दृष्टि से अन्तर रहता ही है। देहात्मबुद्धि के अन्तर्गत, जब कोई इन्द्रियतृप्ति के लिए कर्म करता है, तो दुःख का भागी होता है, लेकिन परम जगत में शुद्ध भक्ति में रत रहने पर कोई दुःख नहीं रह जाता।

चूँकि ईश्वर पूर्ण है, अतएव ईश्वर से संवार्त जीव भी कृष्णभावना में रहकर अपने में पूर्ण रहता है। वह ऐसी नदी के तुल्य है, जिसके जल की सारी गंदगी साफ कर दी गई है। चूँकि शुद्ध भक्त में कृष्ण के अतिरिक्त कोई विचार ही नहीं

उठते, अतएव वह प्रसन्न रहता है। वह न किसी भौतिक क्षति पर शोक करता है, न किसी लाभ की आकांक्षा करता है, क्योंकि वह भगवद् भक्ति से पूर्ण होता है। वह भौतिक जगत में न किसी को अपने से उच्च देखता है और न निम्न। ये उच्च तथा निम्न पद क्षणभंगुर है और भक्त को क्षणभंगुर प्राकटय या तिरोंधान से कुछ लेना-देना नहीं रहता। उसके लिए पत्थर तथा सोना बराबर होते हैं।

यह ब्रह्मभूत अवस्था है, जिसे शुद्ध भक्त सरलता से प्राप्त कर लेता है। उस अवस्था में स्वर्ग प्राप्त करने का विचार मृगतृष्णा और इन्द्रिया विषदंतिविहीन सर्प की भांति प्रतीत होती है।

जिस प्रकार विषदंतिविहीन सर्प से कोई भय नहीं रह जाता उसी प्रकार स्वतः-संयमित इन्द्रियों से कोई भय नहीं रह जाता। भक्त के लिए समग्र जगत वैपुट तुल्य होता है। ब्रह्मांड का महान से महानतम पुरुष भी भक्त के लिए क्षुद्र चीटी से अधिक महत्वपूर्ण नहीं होता।

विचार मंथन

## अमेरिका और इजराइल पर ईरान को रती भर भरोसा नहीं?

(लेखक - सनत जैन)

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में पहली बार अमेरिका और ईरान के बीच आमने-सामने वार्ता हुई। इस बातचीत को लेकर अमेरिका और ईरान के जो प्रतिनिधि मंडल पाकिस्तान पहुंचे थे, उनमें आपसी सहमति नहीं बन पाई। बिना किसी निष्कर्ष पर पहुंचे यह बातचीत पूरी तरह से बेनतीजा रही। शनिवार को ईरान ने लेबनान पर हमले रोकने की शर्त रखी। अमेरिका ने इस पर चुप्पी साध रखी। दोनों देशों के प्रतिनिधि मंडल की सीधी वार्ता में राजनीतिक, सेना और अर्थव्यवस्था के मुद्दों पर चर्चा हुई। अमेरिका की ओर से ईरान द्वारा पेश किए गए मुद्दों के किसी एक पर ऐसी कोई रुचि नहीं दिखाई, जिसे ईरान स्वीकार कर सके। अमेरिका का जो प्रतिनिधि मंडल आया था, वह भी हार्मोज को खोलने के लिए अड़ा रहा। अमेरिका के इस प्रस्ताव को ईरान के प्रतिनिधि मंडल ने नहीं माना। ईरान का कहना था, सारे मुद्दों पर एक साथ बातचीत हो। एक साथ निर्णय लिए

जाएँ। ईरान पहले भी इस बात को कह चुका था। वह युद्धविराम के पक्ष में नहीं है। वह चाहता है, स्थायी रूप से युद्ध रुके। जो भी विवाद के कारण हैं, उन्हें दोनों पक्ष आपस में मिलकर सुलझाएँ। पाकिस्तान में हुई इस वार्ता में सबसे बड़ा अड़ंगा इजराइल ने लगा रखा था। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहु लेबनान को निशाने पर रखना चाहते थे। दोनों ही पक्ष अपना-अपना प्रेशर एक दूसरे पर बनाते रहे। इस बैठक में चीन और पाकिस्तान की कोई प्रत्यक्ष भूमिका नहीं थी। यदि होती तो कुछ ना कुछ समझौते की राह निकलती। दोनों ही पक्ष इसे अपनी हार और जीत के रूप में देख रहे थे। पाकिस्तान में हुई वार्ता बेनतीजा रही। इसकी मुख्य वजह अमेरिका और इजराइल का इतिहास रहा है, इन्होंने हमेशा युद्ध विराम की आड़ में धोखा किया है। ईरान के साथ भी कई बार धोखा हो चुका है। जिसके कारण ईरान इस बार पूरी तरह से सतर्क था। अमेरिका-इजरायल द्वारा ईरान पर जो संयुक्त रूप से हमला किया गया है, उसमें ईरान को

बहुत अधिक नुकसान हुआ है, इससे इंकार भी नहीं किया जा सकता है। ईरान अब आर-पार की लड़ाई लड़ने में आ गया है। सौ सुनार की ओर एक लोहार की तर्ज पर इस समय ईरान का वार अमेरिका और इजराइल पर भारी पड़ा है। ईरान को अच्छी तरह से मालूम था, यह बातचीत बेनतीजा रहेगी। इसलिए उसने अपनी युद्ध की तैयारी में जरा भी कोताही नहीं बरती। ईरान विश्व को यह बताने से भी नहीं चूका, कि वह शांति के पक्ष में है। युद्ध विराम के बाद जब इजराइल ने लेबनान पर हमले किए, इसका जवाब ईरान ने हिजबुल्ला के माध्यम से इजराइल को देकर वहां पर भारी तबाही मचा दी है। जो राजनीति अभी तक अमेरिका और इजराइल मिलकर ईरान के साथ कर रहे थे, इसी फार्मूला अब ईरान ने भी अपना लिया है। अमेरिका वही युद्ध में बुरी तरह से फंसा हुआ है। अमेरिका युद्ध से बाहर निकलना चाहता है। इजराइल के दबाव में वह बाहर नहीं निकल पा रहा है। ऐसी स्थिति में संभावना व्यक्त की जा

रही है, जल्द ही अमेरिका समझौता के लिए नए रास्तों की तलाश करेगा। अमेरिका में जिस तरह से महंगाई एवं बेरोजगारी बढ़ रही है, उससे निपटने के लिए युद्ध बंद करना बहुत जरूरी हो गया है। इसके अलावा कुछ महीनों में अमेरिका में कुछ राज्यों में चुनाव होने जा रहे हैं, उसके पहले ट्रंप को अपनी स्थिति को मजबूत करना है। जिस तरह से अमेरिका और इजराइल की जनता सड़कों पर उतरकर विरोध कर रही है। उसके बाद अमेरिका और इजराइल के पास अन्य कोई विकल्प भी नहीं बचा है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहु अपने जीवन की सबसे कठिन पारी को खेल रहे हैं। युद्ध बंद होने की दशा में उन पर अंतरराष्ट्रीय अदालत और इजराइल की अदालत में मुकदमा चलना तय है। उनके ऊपर भ्रष्टाचार के बड़े आरोप हैं। उससे बचने के लिए उन्होंने पिछले 3 वर्षों से फिलिस्तीन, गाजा, लेबनान एवं अन्य देशों पर जिस तरह के हमले किए हैं, उन्होंने अपनेआप को बचाने के लिए तबाही मचा रखी है। अब

जिस तरह की स्थिति बनी है, उसके बाद अमेरिका और इजराइल को भविष्य का ध्यान रखते हुए महत्वपूर्ण निर्णय लेने पड़ेंगे। जिस तरह से इजराइल में तबाही हुई है। उसके बाद वहां की जनता भी सड़कों पर आकर नेतन्याहु को हटाने की मांग कर रही है। जनता के गुस्से को कब तक नेतन्याहु काबू में रख पाएंगे, कितने समय तक बचे रहेंगे। यह कहना बड़ा मुश्किल है। भारतीय संदर्भ में कहा जाए तो इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहु ने जिस तरह छोटे-छोटे बच्चे-बच्चियों, महिलाओं, और बीमारों को मौत के घाट उतारा है, उसके बाद उनके पाप का घड़ा पूरी तरह से भर चुका है। जिस तरह का अहंकार उनमें दिख रहा है। उसको देखते हुए कहा जा सकता है, कि वह ज्यादा दिनों के मेहमान नहीं है। इस वार्ता के विफल होने से एक बार फिर दुनिया के देश, युद्ध के मुहाने पर खड़े हो गए हैं। ऊर्जा संकट और आयात-निर्यात व्यापार में बाधा बने हुये हैं। 100 से अधिक देशों पर इसका दुष्प्रभाव देखने को मिल रहा है।

# सेंसेक्स की शीर्ष आठ कंपनियों का मार्केट कैप 4.13 लाख करोड़ बढ़ा

- 10 प्रमुख कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही

## मुंबई ।

बीते सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से आठ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 4,13,003.23 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक को हुआ। बाजार के जानकारों ने कहा कि अमेरिका-ईरान के बीच अस्थायी युद्धविराम को लेकर बाजार की धारणा मजबूत बनी रही। सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से एचडीएफसी बैंक, भारतीय एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक

(एसबीआई), आईसीआईसीआई बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो और हिंदुस्तान यूनिटीवर्क के बाजार मूल्यांकन में बढ़ोतरी हुई। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज और इन्फोसिस की बाजार वैल्यूएशन में बढ़ोतरी हुई। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 91,282.67 करोड़ रुपये बढ़कर 12,47,478.57 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 76,036.36 करोड़ रुपये बढ़कर 9,46,741.85 करोड़ रुपये हो गया। बजाज

फाइनेंस की बाजार वैल्यूएशन 60,980.35 करोड़ रुपये बढ़कर 5,75,206.47 करोड़ रुपये हो गई। लार्सन एंड टुब्रो का मूल्यांकन 47,624.97 करोड़ रुपये बढ़कर 5,44,736.59 करोड़ रुपये रहा, जबकि भारतीय एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 45,873.43 करोड़ रुपये बढ़कर 10,66,293.69 करोड़ रुपये हो गया। एसबीआई का बाजार पूंजीकरण 43,614.67 करोड़ रुपये बढ़कर 9,84,629.98 करोड़ रुपये हो गया। टीसीएस का मूल्यांकन 26,303.49 करोड़ रुपये बढ़कर

9,13,331.92 करोड़ रुपये रहा। हिंदुस्तान यूनिटीवर्क का मूल्यांकन 21,287.29 करोड़ रुपये बढ़कर 5,06,477.89 करोड़ रुपये हो गया। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 3,285.03 करोड़ रुपये बढ़कर 5,24,124.40 करोड़ रुपये रह गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार वैल्यूएशन 947.28 करोड़ रुपये बढ़कर 18,27,086.79 करोड़ रुपये पर आ गई। शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, भारतीय एयरटेल,



एसबीआई, आईसीआईसीआई बैंक, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, इन्फोसिस और हिंदुस्तान यूनिटीवर्क का स्थान रहा।

## टीसीएस की भर्ती योजना 2026-27 में 25,000 फंशर्स को नौकरी देने की घोषणा

- बाजार की मांग पर आगे और भर्तियों के संकेत, अनुभवी कर्मचारियों की भर्ती फिलहाल सीमित

## मुंबई ।

देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 25,000 नए स्नातकों को नौकरी देने की घोषणा की है। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि आगे की भर्ती वैश्विक बाजार की मांग पर निर्भर करेगी। टीसीएस के एक मुख्य कार्यकारी ने साक्षात्कार में बताया कि कंपनी लगातार बढ़े पैमाने पर फंशर्स की भर्ती कर रही है, लेकिन भविष्य की रणनीति पूरी तरह बिजनेस डिमांड पर आधारित होगी। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी ने लगभग 44,000 फंशर्स को नौकरी दी थी, जो हाल के वर्षों में सबसे अधिक है। पिछले तीन वर्षों से टीसीएस हर साल 40,000 से

अधिक नए कर्मचारियों की भर्ती करती आ रही है। हालांकि, 2026-27 के लिए यह संख्या घटकर 25,000 निर्धारित की गई है, लेकिन जरूरत पड़ने पर इसे बढ़ाया जा सकता है। कंपनी ने यह भी स्पष्ट किया कि फिलहाल अनुभवी कर्मचारियों की भर्ती बढ़ाने की कोई योजना नहीं है। नए फंशर्स को प्रोजेक्ट्स में शामिल करने से पहले लगभग नौ महीने का प्रशिक्षण दिया जाता है, जबकि अनुभवी कर्मचारी तुरंत कार्य शुरू कर सकते हैं। हाल ही में लगभग 12,000 कर्मचारियों की छुट्टी को लेकर उठे सवालों पर कंपनी ने कहा कि इसका ऑर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से सीधा संबंध नहीं है, बल्कि प्रोजेक्ट डिलीवरी मॉडल में बदलाव इसका कारण रहा है।

# मई के दूसरे सप्ताह में लागू हो सकता है एफटीए अधिकारी

## नई दिल्ली ।

भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) मई के दूसरे सप्ताह से लागू होने की संभावना जताई जा रही है। यह बात एक अधिकारी ने बताया है। इस समझौते पर पिछले साल जुलाई में हस्ताक्षर किए गए थे। वृहद आर्थिक और व्यापार करार (सीडीटीए) पर हस्ताक्षर किए थे, जिसके तहत 99 प्रतिशत भारतीय निर्यात शुल्क पर ब्रिटेन के बाजार में जाएगा। वहीं भारत कार और शराब जैसे ब्रिटिश उत्पादों पर शुल्क दरें घटाएंगे। अधिकारी ने कहा कि हमें उम्मीद है कि यह

समझौता मई के दूसरे सप्ताह से लागू हो जाएगा। दोनों देशों ने दोहरा योगदान संधि (डीसीसी) करार पर भी हस्ताक्षर किए हैं। इससे दोनों देशों के अस्थायी कर्मियों को सामाजिक शुल्क को दो बार नहीं देना पड़ेगा। अधिकारी ने बताया कि दोनों समझौतों को एक साथ लागू किए जाने की संभावना है। सीडीटीए का लक्ष्य 2030 तक दोनों अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार को दोगुना कर 56 अरब डॉलर तक पहुंचाना है। समझौते के तहत भारत ने चाँकलेंट, बिस्कुट और कॉस्मेटिक्स सहित कई उपभोक्ता उत्पादों के लिए अपना बाजार खोल दिया है। वहीं उसे

ब्रिटेन में कपड़ा, जूते-चप्पल, रत्न एवं आपूर्ण, खेल के सामान और खिलौनों जैसे क्षेत्रों के लिए अधिक बाजार पहुंच मिलेगी। इस समझौते के तहत, स्कांच विल्की पर शुल्क तुरंत 150 प्रतिशत से घटकर 75 प्रतिशत कर दिया जाएगा, और 2035 तक इसे और घटकर 40 प्रतिशत कर दिया जाएगा। बाहनों पर भारत धीरे-धीरे उदार कोटा प्रणाली के तहत, पांच साल में आयात शुल्क को घटकर 10 प्रतिशत कर देगा, जो अभी 110 प्रतिशत तक है। इसके एवज में भारतीय विनिर्माताओं को इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड वाहनों के लिए ब्रिटेन के बाजार में पहुंच मिलेगी।

# एनसीएलएटी का फैसला, रियल एस्टेट दिवाला प्रक्रिया अब सिर्फ संबंधित प्रोजेक्ट तक सीमित

- किसी एक प्रोजेक्ट की चूक पर पूरी कंपनी नहीं, सिर्फ उसी परियोजना पर चलेगी दिवाला कार्यवाही

## नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय कंपनी विधि अपील न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने रियल एस्टेट सेक्टर से जुड़े एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) के तहत उसी परियोजना तक सीमित रहेगी, जिसमें डिफॉल्ट हुआ है। यह प्रक्रिया किसी भी स्थिति में कंपनी की अन्य परियोजनाओं तक नहीं बढ़ाई जाएगी। एनसीएलएटी ने अपने एक अहम फैसले में रियल एस्टेट कंपनियों के लिए दिवाला प्रक्रिया को लेकर बड़ा स्पष्टिकरण दिया है। न्यायाधिकरण ने कहा कि यदि किसी रियल एस्टेट कंपनी की किसी विशेष परियोजना में चूक

(डिफॉल्ट) होती है, तो उसके खिलाफ शुरू की गई कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) के तहत उसी परियोजना तक सीमित रहनी चाहिए, न कि पूरी कंपनी या उसकी अन्य परियोजनाओं तक फैलाई जानी चाहिए। एनसीएलएटी की दो सदस्यीय पीठ ने कहा कि परियोजना-आधारित दिवाला प्रक्रिया घर खरीदारों और अन्य हितधारकों के हित में अधिक शिवालय परियोजना तक ही सीआईआरपी सीमित रहेगी। इसी सिद्धांत को आगे बढ़ाते हुए अब कृष्णा हाउसिंग स्कीम को भी अलग परियोजना के रूप में दिवाला प्रक्रिया के दायरे में रखा गया है। एनसीएलएटी ने समाधान

पेशेवर को निर्देश दिया है कि वह केवल संबंधित परियोजना के हितधारकों से ही दावे आमंत्रित करे और 14 दिनों के भीतर प्रक्रिया पूरी करे। न्यायाधिकरण के अनुसार, यह व्यवस्था न केवल घर खरीदारों के हितों की रक्षा करती है, बल्कि रियल एस्टेट सेक्टर में दिवाला मामलों को अधिक व्यावहारिक और संतुलित बनाती है।

# तिमाही नतीजे, महंगाई के आंकड़े और लाभांश घोषणाओं से बाजार की दिशा तय होगी

- शेयर बाजार की सबसे ज्यादा नजर बैंकिंग और सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र पर रहेगी

## मुंबई ।

अमेरिका और ईरान के बीच अस्थायी युद्ध विराम और शांति वार्ता की उम्मीदों से पिछले सप्ताह मजबूत तेजी दिखाने के बाद भारतीय शेयर बाजार अब एक बेहद अहम सप्ताह में प्रवेश कर रहा है। 12 से 17 अप्रैल के बीच निवेशकों की नजर वैश्विक घटनाक्रम के साथ-साथ घरेलू आर्थिक आंकड़ों, कंपनियों के तिमाही नतीजों और लाभांश घोषणाओं पर रहेगी। यह सप्ताह बाजार के लिए निर्णायक माना जा रहा है, क्योंकि बैंकिंग और सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनियां अपने परिणाम जारी करने वाली हैं। इस सप्ताह 25 से अधिक कंपनियां अपने चौथी तिमाही और वित्त वर्ष 2026 के नतीजे घोषित करेंगी। इसके साथ ही 8 से अधिक कंपनियों के बोर्ड अंतरिम और अंतिम लाभांश पर भी निर्णय लेंगे। बाजार की सबसे ज्यादा नजर बैंकिंग और सूचना

प्रौद्योगिकी क्षेत्र पर रहेगी। एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, विप्रो और यश बैंक जैसी बड़ी कंपनियों के नतीजे बाजार की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएंगे। वहीं फिं सिल और जस्ट डायल के परिणाम भी निवेशकों की नजर में रहेगी। 13 अप्रैल को आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एसेट मैनेजमेंट और जस्ट डायल अपने नतीजे जारी करेंगे, जबकि 14 अप्रैल को आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स और नुवोको विस्टास कॉर्पोरेशन जैसे कंपनियों के परिणाम आएंगे। 15 अप्रैल को आईसीआईसीआई लोम्बार्ड और एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज के नतीजे घोषित होंगे। 16 अप्रैल को विप्रो अपने चौथी तिमाही के परिणाम जारी करेगी और साथ ही शेयर पुनर्खरीद पर भी विचार कर सकती है, जिससे सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में हलचल संभव है। लाभांश से जुड़ी गतिविधियों में मुथुट फायनेंस प्रमुख है, जिसने

30 रुपये प्रति शेयर का अंतरिम लाभांश घोषित किया है। 17 अप्रैल को यह एक्स-लाभांश ट्रेड करेगी। इसके अलावा 18 अप्रैल को बैंकिंग क्षेत्र की बड़ी कंपनियां जैसे एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और यश बैंक अपने ऑडिटेड नतीजे घोषित करेंगी, जिन पर पूरे बाजार की नजर रहेगी। कुल मिलाकर यह सप्ताह घरेलू और वैश्विक दोनों मोर्चों पर अत्यंत महत्वपूर्ण रहेगा। महंगाई के आंकड़े, वैश्विक तनाव में बदलाव और कॉर्पोरेट नतीजे मिलकर भारतीय शेयर बाजार की अगली दिशा तय करेंगे।

## दुनिया की सबसे महंगी धातु कैलिफोर्नियम

मुंबई ।

सोना और चांदी को आमतौर पर सबसे कीमती धातु माना जाता है, लेकिन एक ऐसा कृत्रिम तत्व भी है जिसकी कीमत इन्हें भी पीछे छोड़ देती है। इसका नाम कैलिफोर्नियम है, जो अत्यंत दुर्लभ और रेडियोधर्मी धातु है। कैलिफोर्नियम एक कृत्रिम तत्व है जिसका परमाणु क्रमांक 98 है। इसे प्राकृतिक रूप से नहीं पाया जाता, बल्कि न्यूक्लियर रिएक्टर के जरिए प्रयोगशालाओं में बनाया जाता है। पहली बार इसे 1950 में अमेरिकी वैज्ञानिकों ने तैयार किया था। इसकी बेहद सीमित उपलब्धता और जटिल उत्पादन प्रक्रिया के कारण इसकी कीमत करोड़ों रुपये प्रति ग्राम तक मानी जाती है। हालांकि यह परंपरिक बाजार में खरीदा-बेचा नहीं जाता। इसका उपयोग न्यूक्लियर रिएक्टर शुरू करने, तेल व खनिज खोज, सुरक्षा जांच और कुछ विशेष कैप्सूर उपचार तकनीकों में किया जाता है।

## पश्चिम एशिया में 'युद्धविराम' से लग्जरी कार बाजार में तेजी की उम्मीद

- बड़ी कार कंपनियों ने कहा- खरीदार लौटेंगे, स्पलाई चेन में सुधार संभव



## नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में संघर्ष के बाद घोषित युद्धविराम से भारत के लग्जरी कार बाजार में सकारात्मक माहौल बनने की उम्मीद बढ़ गई है। उद्योग से जुड़े शीर्ष अधिकारियों का मानना है कि इससे उपभोक्ता धारणा में सुधार होगा और महंगी कारों की बिक्री फिर रफ्तार पकड़ सकती है। देश में बीएमडब्ल्यू ग्रुप, मेर्सिडिज बेंज और आडी जैसी कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों ने कहा है कि युद्धविराम के बाद बाजार में अनिश्चितता कम होगी और ग्राहक फिर से शोरूम की ओर लौट सकते हैं। उन्होंने कहा कि युद्धविराम समय पर हुआ है और यह ग्राहकों के निर्णय के लिए बेहद महत्वपूर्ण था। उन्होंने बताया कि कई ग्राहकों ने पहली तिमाही में खरीद टाल दी थी, लेकिन स्थिति सुधरने पर वे वापस खरीदारी कर सकते हैं। मार्च में कंपनी को अब तक के सबसे मजबूत ऑर्डर मिले थे, लेकिन कई डिलीवरी आगे बढ़ा दी गई हैं, रद्द नहीं की गई हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि अप्रैल और आने वाले महीने बेहतर रहेंगे। बलबीर सिंह डिग्गों ने कहा कि युद्धविराम से अनिश्चितता कम होगी और उपभोक्ताओं में खर्च करने की इच्छा बढ़ेगी। उनके अनुसार, कई ग्राहक व्यवसाय से जुड़े हैं और वैश्विक घटनाओं का सीधा असर उनकी निर्णय क्षमता पर पड़ता है। अधिकारियों ने यह भी बताया कि भू-राजनीतिक तनाव के दौरान कलपुर्णों और किट की आपूर्ति प्रभावित हुई थी, लेकिन कंपनियों ने पहले से बफर स्टॉक तैयार कर रखा था।

## 444 दिनों की एफडी पर सरकारी बैंकों में मिल रहा 6.6 फीसदी तक ब्याज

- कम अवधि में सुरक्षित और तय रिटर्न का विकल्प



## नई दिल्ली ।

सुरक्षित निवेश और स्थिर रिटर्न की तलाश करने वाले निवेशकों के लिए 444 दिनों की फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) स्कीम तेजी से लोकप्रिय हो रही है। सरकारी बैंक इस अवधि पर आकर्षक ब्याज दरें ऑफर कर रहे हैं। बैंक एफडी लंबे समय से सुरक्षित निवेश का भरोसेमंद विकल्प रही है, और अब 444 दिनों की अवधि निवेशकों के बीच खासा लोकप्रिय हो रही है। मौजूदा समय में सरकारी बैंक इस अवधि पर करीब 6.10 से 6.60 फीसदी तक ब्याज दर दे रहे हैं, जो कम अवधि में स्थिर रिटर्न चाहने वालों के लिए आकर्षक माना जा रहा है। प्रमुख बैंकों की बात करें तो बैंक आफ इंडिया 444 दिनों की एफडी पर लगभग 6.45 फीसदी रहा है। वहीं स्टेट बैंक आफ इंडिया (एसबीआई) इस अवधि पर 6.45 फीसदी के आसपास रिटर्न ऑफर कर रहा है। पंजाब नेशनल बैंक और ये नियुक्त बैंक आफ इंडिया भी करीब 6.60 फीसदी तक की दरें दे रहे हैं। इसके अलावा इंडियन बैंक और इंडियन ओवरसीज बैंक इस कैटेगरी में भी 6.60 फीसदी तक ब्याज दर ऑफर कर रहे हैं। अलग-अलग बैंकों में ब्याज दरों में थोड़ा अंतर जरूर है, इसलिए निवेशकों को अपनी जरूरत और रिटर्न के हिसाब से सही विकल्प चुनना चाहिए। ब्याज दरों में उतार-चढ़ाव के बीच 444 दिनों की एफडी उन निवेशकों के लिए बेहतर विकल्प बनकर उभरी है, जो बिना जोखिम के निश्चित कमाई चाहते हैं। हालांकि, निवेश से पहले ब्याज दर, समय अवधि और अन्य शर्तों की तुलना करना जरूरी है, ताकि बेहतर रिटर्न सुनिश्चित किया जा सके।

## डीजल और एटीएफ पर एक्सपोर्ट ड्यूटी में गारी बढ़ोतरी, पेट्रोल को राहत

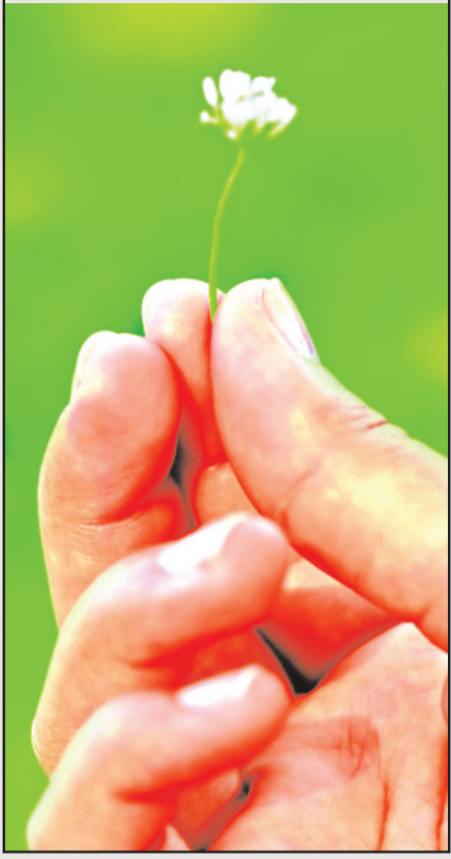
- सरकार का फैसला- वैश्विक तेल संकट के बीच घरेलू स्पलाई सुरक्षित करने पर जोर

## नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने वैश्विक तेल बाजार में बढ़ती अनिश्चितता के बीच बड़ा कदम उठाते हुए डीजल और एलिवेशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) पर निर्यात शुल्क में भारी बढ़ोतरी कर दी है। हालांकि पेट्रोल के निर्यात पर कोई बदलाव नहीं किया गया है। केंद्र सरकार ने डीजल और एलिवेशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) के निर्यात पर एक्सपोर्ट ड्यूटी बढ़ा दी है। वित्त मंत्रालय द्वारा जारी नोटिफिकेशन के अनुसार, डीजल पर निर्यात शुल्क 21.5 रुपये प्रति लीटर से बढ़कर 55.5 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। वहीं एटीएफ पर ड्यूटी 29.5 रुपये से बढ़कर 42 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है। पेट्रोल के निर्यात पर फिलहाल कोई शुल्क नहीं लगाया गया है। यह नया नियम 11 अप्रैल से तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। सरकार ने इस फैसले को सेंट्रल एक्ससाइज एक्ट 1944 और फाइनेंस एक्ट के तहत लिया है। नोटिफिकेशन में कहा गया है कि मौजूदा हालात में तुरंत हस्तक्षेप जरूरी था। दरअसल, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के चलते वैश्विक कच्चे तेल के दाम तेजी से बढ़ रहे हैं। ब्रेट ब्रूडर की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच चुकी है। अमेरिका, इजरायल और ईरान से जुड़े भू-राजनीतिक तनाव के कारण स्टेट ऑफ होयुज के आसपास स्पलाई प्रभावित होने की आशंका बनी हुई है।



# मन की साधना



चतुर्मास का समय निकट आया तो भिक्षु सुशांत ने बुद्ध से आग्रह किया प्रभु, मैं नगरवधू सोमलता के सान्निध्य में अपना चतुर्मास व्यतीत करना चाहता हूँ। कृपया इसकी आज्ञा प्रदान करें। यह सुनकर बुद्ध मुस्कराए। वह समझ गए कि यह वहाँ जाकर मन को साधक सत्त्वा साधक होना चाहता है, लेकिन अन्य भिक्षुओं ने इस पर आपत्ति जताई। उन्हें संदेह था कि सुशांत कहीं अपने पथ से विचलित न हो जाए, पर बुद्ध ने भिक्षुओं के विरोध के बावजूद उसे आशीर्वाद देते हुए कहा, जाओ और आगे बढ़कर आना। सुशांत सोमलता के पास पहुँचा। वहाँ सब उसे देखकर आश्चर्यचकित रह गए। लेकिन सुशांत अपने संकल्प पर अडिग था।

इधर सोमलता के घुंघरुओं की आवाज गूँजती और उधर सुशांत अपनी साधना में लीन रहता। सोमलता सुशांत को रिझाने का प्रयास करती, मगर वह निर्लिप्त रहता। एक मास गुजर गया मगर सोमलता सुशांत को डिगा न सकी। हाँ, उससे थोड़ी सहानुभूति अवश्य होने लगी। उसने दूसरों को भी साधना के क्षणों में शांत रहने को कह दिया। चौथा मास आते-आते सुशांत ने अपने मन पर नियंत्रण पा लिया था। वह सोमलता या अन्य सुंदरियों की ओर आँख उठाकर भी नहीं देखता था। संगीत उसे बुद्ध-वाणी की तरह लगता था और नृत्यालय देवालय की तरह। चार मास पूर्ण हुए और सुशांत अपने मठ की ओर वापस चला तो सबने आश्चर्य से देखा-भिक्षुणी बनी सोमलता उसके पीछे-पीछे अपना सर्वस्व त्याग कर जा रही थी। सोमलता अपने रूप-रंग से सुशांत को रिझाने नहीं सकी, मगर सुशांत के तप का प्रभाव सोमलता पर दिख रहा था। सुशांत वास्तव में आगे बढ़ गया था।

## भाग्य और पुरुषार्थ

राजा विक्रमादित्य के दरबार में कई ज्योतिषी थे। मगर वह कोई काम शुभ लगन देख कर या ज्योतिषी की सलाह लेकर नहीं करते थे। एक दिन राज ज्योतिषी उनके पास आए और बोले, महाराज, आप के दरबार में कई ज्योतिषी हैं। आप की तरफ से उन्हें सभी सुविधाएँ मिली हुई हैं, पर आप कभी हमारी सेवाएँ नहीं लेते। आज मैं आप की हस्तरेखा देख कर यह जानना चाहता हूँ कि आप ऐसा क्यों करते हैं?

राजा ने कहा, मेरे पास इतना समय नहीं रहता कि मैं आप लोगों से सलाह ले सकूँ। जहाँ तक हस्तरेखा की बात है तो मैं इसमें विश्वास नहीं रखता। लेकिन आप कह रहे हैं तो देख लीजिए। हाथ देख कर राज ज्योतिषी चक्कर में पड़ गए। उनकी आवाज बंद हो गई। राजा ने पूछा, क्या हुआ। आप इतने परेशान क्यों हैं? राज ज्योतिषी ने कहा, राजन्, आप की हस्तरेखाएँ तो कुछ और कहती हैं। ज्योतिष के अनुसार आप को तो दुर्बल और दीनहीन होना चाहिए था। लेकिन आप तो इसके विपरीत हैं। हजारों साल से ज्योतिष विद्या पर विश्वास करने वाले लोग आपकी रेखाएँ देख कर भ्रमित हो जायेंगे। समझ में नहीं आ रहा कि ज्योतिष को सच मानूँ या आप की रेखाओं को। विक्रमादित्य ने कहा, अभी तो आप ने मेरे बाहरी लक्षणों को ही देखा है, अब आप हमारे अंदर झाँक कर देखिए। इतना कह कर राजा ने तलवार की नोक अपने सीने में लगा दी। राज ज्योतिषी घबरा कर बोले, बस महाराज, रहने दीजिए।

राजा ने कहा- ज्योतिषी महाराज, आप परेशान मत हो। ज्योतिष विद्या भी तभी सार्थक सिद्ध होती है, जब मनुष्य में कुछ करने का संकल्प हो। हस्तरेखाएँ तो भाग्य नहीं बदल सकती, लेकिन मनुष्य में यदि पुरुषार्थ है, अभाग्य से लड़ने की शक्ति है तो उसकी नकारात्मक रेखाएँ भी अपने रूप बदल सकती हैं। लगता है मेरे साथ ऐसा ही हुआ है। राज ज्योतिषी अवाक हो गए।

गीता डॉक्टर की भाँति है। बस फर्क इतना ही है कि डॉक्टर शरीर के रोगों का इलाज करता है, जबकि गीता मन के रोगों का इलाज करती है और उन्हें दूर करने का मार्ग दिखाती है।

# गीता में है जीवन का ज्ञान



गीता का उपदेश जीवन की धारा है। चूंकि गीता में जीवन की सच्चाई छिपी है और इसमें जीवन में आने वाली दुशवारियों के कारण व निवारण दोनों को ही विस्तार से समझाया गया है। इसलिए गीता के उपदेश विश्व भर में प्रसिद्ध हैं और हर वर्ग को प्रभावित करते हैं। गीता डॉक्टर की भाँति है। बस फर्क इतना ही है कि डॉक्टर शरीर के रोगों का इलाज करता है, जबकि गीता मन के रोगों का इलाज करती है और उन्हें दूर करने का मार्ग दिखाती है। जिस प्रकार डॉक्टर रोगी को रोग के निवारण के साथ-साथ उसके कारण भी बताता है। ठीक उसी प्रकार से गीता का अगर गहनता से अध्ययन किया जाए तो इससे मन के रोगों का कारण और निवारण दोनों का पता चल जाता है। गीता मन के रोगों को दूर करने का एक सशक्त माध्यम है।

आसानी से दूर किया जा सकता है। मोह जीवन लीला को धीरे-धीरे नष्ट कर देता है। जीवन में दुखों का सबसे बड़ा कारण मोह ही है। जीवन को अगर सफल बनाना है और मोह से मुक्ति पानी है तो गीता की शरण में जाना पड़ेगा। गीता से ज्ञान पा कर मानव मोक्ष को प्राप्त कर सकता है। गीता का ज्ञान मनुष्य को उसकी आत्मा के अमर होने के विषय में बोध करवा कर अपने कर्तव्य कर्म को पूर्ण निष्ठा से करने को प्रेरित करता है। परमात्मा ने मनुष्य को देह केवल भोग के लिए प्रदान नहीं की है, अपितु हमें इसका उपयोग मोक्ष प्राप्ति के लिए करना चाहिए। साधू व नदी कभी एक स्थान पर नहीं रुकते और निरंतर आगे बढ़ते हुए विभिन्न स्थानों पर जन-जन के हृदयों में अपने मन के रोगों को दूर करने का एक सशक्त माध्यम है।

तैयार रहना चाहिए और अपने ज्ञान से जगत को प्रकाश मान करने का प्रयास करते रहना चाहिए, असल में यही मानव धर्म है। अगर श्रीमद्भगवद् गीता का अध्ययन नित्य करें, तो इस बात का आभास सहजता से होता है कि उसमें सिखाया कुछ नहीं गया है, बल्कि समझाया गया कि इस संसार का स्वरूप क्या है? उसमें यह कहीं नहीं कहा गया कि आप इस तरह चले या उस तरह चले, बल्कि यह बताया गया है कि किस तरह की चाल से आप किस तरह की छवि बनाएँगे? उसे पढ़कर मनुष्य कोई नया भाव नहीं सीखता, बल्कि संपूर्ण जीवन सहजता से व्यतीत करने के मार्ग पर चल पड़ता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उसमें एक वैज्ञानिक सूत्र है कि 'गुण ही गुणों को बरतते हैं।' इसका मतलब यह है कि जैसे संकल्पों, विचारों तथा कर्मों से आदमी

बंधा है, वैसा ही वह व्यवहार करेगा। उस पर खाने-पीने और रहने के कारण अच्छे तथा बुरे प्रभाव होंगे। सीधी बात यह है कि अगर आप यह चाहते हैं कि अपने ज्ञान के आईने में आप स्वयं को अच्छे लगे तो अपने संकल्प, विचारों तथा कर्मों में स्वच्छता के साथ अपनी खान-पान की आदतों तथा रहन-सहन के स्थान का चयन करना पड़ेगा। अगर आप आने अंदर दोष देखते हैं तो विचलित होने की बजाय यह जानने का प्रयास करें कि आखिर वह किसी बुरे पदार्थ के ग्रहण करने या किसी व्यक्ति की संगत के परिणाम से आया है। जैसे ही आप गीता का अध्ययन करेंगे, आपको अपने अंदर भी ढेर सारे दोष दिखाई देंगे और उन्हें दूर करने का मार्ग भी पता लगेगा। गीता किसी को प्रेम करना, अहिंसा में लिप्त होना नहीं सिखाती, बल्कि प्रेम और

अहिंसा का भाव अंदर कैसे पैदा हो, यह समझाती है। सिखाने से प्रेम या अहिंसा का भाव नहीं पैदा होगा, बल्कि वैसा तत्वों से संपर्क रखकर ही ऐसा करना संभव है। कोई दूसरे को प्रेम नहीं सिखा सकता, क्योंकि जिस व्यक्ति का घृणा पैदा करने वाले तत्वों से संबंध है, उसमें प्रेम कहां से पैदा होगा? श्रीमद्भगवद् गीता में चार प्रकार के भक्त बताए गए हैं। भगवान की भक्ति होती है तो जीव से प्रेम होता है। अतः भक्ति की तरह प्रेम करने वाले भी चार प्रकार के होते हैं-आर्ती, अर्थार्थी, जिज्ञासु तथा ज्ञानी। पहले बाकी तीन का प्रेम क्षणिक होता है जबकि ज्ञान का प्रेम हमेशा ही बना रहता है। अगर आपके पास तत्व ज्ञान है तो आप अपने पास प्रेम व्यक्त करने वालों की पहचान कर सकते हैं, नहीं तो कोई भी आपको हाँक कर ले जाएगा और धोखा देगा।



**ऊर्जा एक ऐसी अदृश्य शक्ति है, जिसे हम देख नहीं सकते, बल्कि उसका अनुभव कर सकते हैं। यही ऊर्जा हमारे जीवन का आधार है।**

संसार के सभी प्राणियों में ऊर्जा मौजूद है। वास्तव में यह ऊर्जा हमारे जीवन का आधार है। इसे हम अणु, परमाणु, एनर्जी आदि नामों से जानते हैं। यानी अपनी सुविधा के अनुसार, हम ऊर्जा को अलग-अलग नाम दे देते हैं। यह एक ऐसी अदृश्य शक्ति है, जिसका हम केवल अनुभव ही कर सकते हैं, देख नहीं सकते। हम अपनी आँखों से तो पृथ्वी पर मौजूद सभी पदार्थों को देख लेते हैं, लेकिन ऊर्जा को देख पाना हमारे लिए संभव ही नहीं हो पाता है। लेकिन उन्हें महसूस जरूर कर सकते हैं। लेकिन फिर भी इन अदृश्य शक्तियों के अस्तित्व को अस्वीकार कर पाना

हमारे लिए असंभव होता है।

## ऊर्जा और अध्यात्म का संबंध

अध्यात्म की भाषा में ऊर्जा को न केवल प्राण-वायु या आत्मा कहा जाता है, बल्कि जीव को ईश्वर का अंश भी माना जाता है। यह ऊर्जा ही है, जो सभी जीवों को जिंदा रखने में मदद करता है। हम देखते हैं कि अदृश्य शक्ति, यानी ऊर्जा के सहारे हमारे शरीर के सभी अंग सुचारु रूप से काम करते हैं। जैसे ही वह अदृश्य-शक्ति की लोप होती है, हमारे शरीर की सभी क्रियाएँ बंद हो

जाती हैं। शरीर के सभी अंग-आँख, नाक, कान, यहां तक कि इंद्रियाँ भी काम करना बंद कर देती हैं और शरीर निष्क्रिय हो जाता है।

हम यह सोचने के लिए मजबूर हो जाते हैं कि आखिर वह कौन सी शक्ति है, जो हमारे अंगों को संचालित करती है? आज का विज्ञान भले ही चांद, तारों और ग्रहों के बारे में हमें जानकारी देता हो, लेकिन आज भी इस अदृश्य-शक्ति को समझने की क्षमता अभी तक विज्ञान के पास नहीं है। शायद इसलिए कहा जाता है कि जहाँ विज्ञान की सीमा समाप्त हो जाती है, वहीं से महा विज्ञान शुरू हो जाता है। वास्तव में यह

# जीवन का आधार है आध्यात्मिक ऊर्जा

## विज्ञान की भाषा

विज्ञान इन अदृश्य शक्तियों को पर्जनी कहता है। उदाहरण के लिए बिजली से बल्ब जलता है, पंखे चलते हैं, लेकिन हम बिजली को कभी नहीं देख पाते हैं। हम उसका न केवल कार्य, बल्कि परिणाम भी देखते हैं। उसके स्वरूप के बारे में जान पाना कठिन है। ठीक उसी प्रकार प्रत्येक जीव में ऊर्जा मौजूद होती है, जिससे जीव में प्राण-शक्ति का संचार होता रहता है। दूसरे शब्दों में कहे, तो इस प्राण-शक्ति को हम देख नहीं पाते हैं।

महाविज्ञान अध्यात्म है, जीवन दर्शन है। हमारा जीवन-दर्शन न केवल जीवन के अनुभवों के बारे में बताता है, बल्कि जीवन के रहस्यों को भी समझने का प्रयास करता है। यही वजह है कि इसकी पढ़ाई विद्यालयों या महाविद्यालयों में नहीं होती है। ऋषि-मुनियों ने वर्षों पूर्व ऐसे ही रहस्यों को समझने की कोशिश की थी। यदि इस रहस्य को समझने की स्थिति में जीव आ जाता है, तो उसे जीवन-शक्ति का अनुभव भी होने लगता है।

जीवन-शक्ति का अनुभव प्राप्त करने के लिए हमें सबसे पहले ऊर्जा के अदृश्य स्वरूप का अनुभव प्राप्त करना

पड़ेगा, क्योंकि जैसा कि हम सभी जानते हैं कि जीवन-शक्ति का केवल अनुभव किया जा सकता है, देखा या परखा नहीं जा सकता है। हमारी आँखें देखती हैं, कान सुनता है, लेकिन इस देखने और सुनने की प्रक्रिया को हम केवल अनुभव कर सकते हैं। यदि हम अपने अनुभवों को न केवल अपने अंतर्मन में उतार लेते हैं, बल्कि इस प्रक्रिया के आदी भी हो जाते हैं, तो इसे ही साधना कहा जाता है। यह साधना ही है, जिसके माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन-शक्ति का अनुभव करने लगता है। इसके लिए हमें आत्म-केंद्रित होना अति आवश्यक होता है।

### संक्षिप्त समाचार

#### अमीर और गरीब देशों के बीच खाई चौड़ी हो रही है : संयुक्त राष्ट्र रिपोर्ट का खुलासा

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र की एक नई रिपोर्ट में चिंताजनक खुलासा हुआ है कि अमीर और गरीब देशों के बीच की खाई लगातार चौड़ी होती जा रही है। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले साल कई देशों द्वारा सहमत किए गए महत्वपूर्ण कदम, जिनमें प्रमुख वैश्विक आर्थिक संस्थानों का पुनर्गठन भी शामिल था, अब तक केवल अधुने वादे बनकर रह गए हैं। आईएमएफ की प्रबंध निदेशक ने संकेत दिया है कि वैश्विक विकास को उन्नत करने की योजना थी, लेकिन हालिया क्षेत्रीय संघर्षों ने विश्व अर्थव्यवस्था के दृष्टिकोण को धूमिल कर दिया है। संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक और सामाजिक मामलों के उप महासचिव ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भू-राजनीतिक तनाव विकासशील देशों के लिए वित्त आकर्षित करने के प्रयासों को और अधिक जटिल बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय सहयोग के लिए एक अत्यंत खतरनाक समय है, क्योंकि भू-राजनीतिक विचार आर्थिक संबंधों और वित्तीय नीतियों को तेजी से आकार दे रहे हैं।

#### किम जोंग उन ने चीन के 'बहुध्रुवीय विश्व' के एजेंडे का समर्थन किया, विदेश मंत्री वांग यी के साथ बढ़ेगी दोस्ती

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने चीन द्वारा 'बहुध्रुवीय विश्व' के निर्माण के प्रयासों का पूरा जोर समर्थन करते हुए दोनों पारंपरिक सहयोगियों के बीच संबंधों को और गहरा करने का आह्वान किया है। यह बात चीनी विदेश मंत्री वांग यी के साथ हुई मुलाकात के दौरान सामने आई। शुक्रवार को हुई इस महत्वपूर्ण बैठक में किम जोंग उन ने कहा कि उत्तर कोरियाई सरकार चीन के 'एक चीन सिद्धांत' के आधार पर उसकी क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के प्रयासों का पूर्ण समर्थन करेगी। यह सिद्धांत बीजिंग की उस आधिकारिक स्थिति को दर्शाता है कि ताइवान चीन का अविभाज्य अंग है। उत्तर कोरिया की आधिकारिक समाचार एजेंसी कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी के अनुसार, किम ने इस बात पर जोर दिया।

#### ईरान ने कहा भारतीयों की नेकी व इंसानियत के हम कायल, शुक्रिया

तेहरान, एजेंसी। भारत में ईरानी दूतावास ने शुक्रवार को एलान किया कि उसने जंग के दौरान वित्तीय मदद के लिए बनाए गए सभी खाते बंद कर दिए। इसके साथ ही भारतीय नागरिकों के समर्थन और मदद के लिए शुक्रिया कहा। दूतावास ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि भारतीय नागरिकों से मिले भारी समर्थन और उनकी मदद को देखते हुए अब ये खाते निष्क्रिय कर दिए गए हैं। इसके साथ ही लोगों से दूतावास के नाम पर चल रहे किसी भी खातों में पैसा न भेजने की अपील की गई है। इससे पहले 22 मार्च को ईरानी दूतावास ने भारतीयों की नेक इरादों और इंसानियत के लिए उन्हें शुक्रिया कहा था। इसमें आगे कहा गया कि भारतीयों ने ईरान के पुनर्निर्माण के लिए पैसे और आभूषण दान किए। हम भारत की नेकी हमेशा याद रखेंगे। इसमें कश्मीरी लोगों की खास तौर से सराहना की गई। दूतावास ने खासकर एक कश्मीरी महिला के योगदान को खासी सराहना की। इस महिला ने अपने दिवंगत पति की याद में 28 साल से रखी सोने की निशानी ईरान की मदद के लिए दान कर दी थी।

#### ईरान को गुपचुप हथियार भेज रहा है चीन, अमेरिकी एजेंसी का खुलासा ; भड़केंगे ट्रंप ?

तेहरान, एजेंसी। एक ओर चीन खुद को अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम कराने वाले शांतिदूत के रूप में पेश कर रहा है, वहीं दूसरी ओर अमेरिकी खुफिया रिपोर्टों ने दावा किया है कि चीन अगले कुछ हफ्तों में ईरान को नए कंधे से दागे जाने वाले विमान भेदी मिसाइल सिस्टम भेजने की तैयारी कर रहा है। खुफिया सूत्रों के अनुसार, चीन इन प्रणालियों को तीसरे देशों के माध्यम से भेजने की योजना बना रहा है ताकि उनकी उत्पत्ति को छिपाया जा सके। ये सिस्टम कम ऊंचाई पर उड़ने वाले अमेरिकी हेलीकॉप्टरों और लड़ाकू विमानों के लिए काल साबित हो सकते हैं। पिछले हफ्ते ईरान ने जिस अमेरिकी एफ-15 जेट को मार गिराया था, राष्ट्रपति ट्रंप ने संकेत दिया है कि उसमें इसी तरह की हेंडहेल्ड हीट-सीकिंग मिसाइल का इस्तेमाल हुआ था। यदि यह चीनी निर्मित है तो यह बीजिंग की सीधी भागीदारी का सबूत होगा। यह खबर ऐसे समय में आई है जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले महीने बीजिंग में राष्ट्रपति शी जिन्पिंग से मिलने वाले हैं। एक तरफ चीन ने युद्धविराम कराने में मदद का दावा किया, वहीं दूसरी ओर वह ईरान को हथियार देकर युद्धविराम का उपयोग उसकी सैन्य शक्ति को फिर से संचित करने के लिए कर रहा है। अगले महीने होने वाली ट्रंप-शी वार्ता अब इस खुफिया रिपोर्ट के कारण काफी तनावपूर्ण होने की उम्मीद है। यदि अमेरिका के पास चीनी हथियारों के पुख्ता सबूत मिलते हैं, तो न केवल युद्धविराम टूट सकता है बल्कि अमेरिका चीन पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध भी लगा सकता है।

## नासा का आर्टेमिस 2 मिशन : कैप्सूल से निकाले गए चारों अंतरिक्ष यात्री, चेहरे पर दिखी खुशी

वाशिंगटन, एजेंसी। नासा का आर्टेमिस 2 मिशन सफलतापूर्वक पूरा हो गया है। इस मिशन में शामिल सभी अंतरिक्ष यात्री 10 दिन की ऐतिहासिक यात्रा पूरी करने के बाद ओरियन अंतरिक्ष यान के जरिए सुरक्षित रूप से समुद्र में उतर गए। मिशन में चार अंतरिक्ष यात्री- रीड वाइजमैन, विक्टर ग्लोवर, क्रिस्टीना कोच और जेरेमी हैनसेन शामिल थे।

यह ऐतिहासिक वापसी प्रशांत महासागर में सैन डिग्रो के तट के पास हुई। कैप्सूल पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करने के बाद पैराशूट सिस्टम के माध्यम से समुद्र में सुरक्षित उतरा। इसके बाद रिकवरी टीम तुरंत मौके पर पहुंची। काफी देर चली प्रक्रिया के बाद अंतरिक्षयात्रियों को सुरक्षित कैप्सूल से बाहर निकाला गया। यहां से सेना का हेलीकॉप्टर उन्हें लेने के लिए पहुंचा। नासा ने एक्स पोस्ट पर लिखा, 'आर्टेमिस II मिशन के चारों अंतरिक्ष यात्रियों को ओरियन अंतरिक्ष यान से सफलतापूर्वक सुरक्षित निकाल लिया गया है और वे अब यूएसएस जॉन पी. मुर्थू पर हैं। इसके बाद उन्हें चिकित्सा कक्ष में ले जाया जाएगा, जहां मिशन के बाद उनकी चिकित्सा जांच की जाएगी। यूएसएस जॉन पी. मुर्थू के डेक पर क्रिस्टीना और विक्टर के चेहरे पर बड़ी मुस्कान थी, क्योंकि वे मिशन के बाद की नियमित चिकित्सा जांच के लिए ले जाए जाने का इंतजार कर रहे थे।'



नासा के अंतरिक्ष यात्री क्रिस विलियम्स ने भी ओरियन की पृथ्वी वापसी पर सोशल मीडिया पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, 'अंतरिक्ष स्टेशन पर मौजूद हमारे दल ने नासा आर्टेमिस मिशन 2 के दल को चंद्रमा की यात्रा से लौटते समय पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करते हुए देखा! मॉड्यूल के जलने के साथ ही हमें सबसे पहले एक तेज रोशनी और एक लकीर दिखाई दी।

हमने ओरियन के कैप्सूल को सीधे प्रवेश करते हुए नहीं देखा, लेकिन वायुमंडल के ऊपरी भाग में उसके द्वारा छोड़ी गई धुंधली लकीर को अवश्य देखा। अपने साथियों के इस अद्भुत मिशन के बाद पृथ्वी पर सुरक्षित लौटने पर हमें अत्यंत प्रसन्नता हुई। पृथ्वी पर लौटने से पहले नासा ने जानकारी दी थी कि लगभग 6 लाख 90 हजार मील की लंबी यात्रा पूरी

करने के बाद यह दल पृथ्वी के करीब पहुंच रहा है। यह मिशन दुनिया भर में चर्चा का विषय बना हुआ है, क्योंकि पांच दशक से अधिक समय बाद इंसान ने पृथ्वी की निचली कक्षा से आगे गहरे अंतरिक्ष में कदम रखा है। नासा के अनुसार, इस यात्रा में अंतरिक्ष यात्री अब तक की सबसे अधिक दूरी तक गए, जो भविष्य के चंद्र मिशनों के लिए रास्ता तैयार करेगी।

## हत्या का वीडियो साझा कर ट्रंप ने आव्रजन नीति को ठहराया सही

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फ्लोरिडा में हुई एक महिला की हत्या का कथित वीडियो साझा करते हुए अपनी सरकार की निर्वासन नीति को सही ठहराया। यह हमला कथित रूप से हैती मूल के एक प्रवासी द्वारा किया गया। पुलिस के अनुसार, 40 वर्षीय रोलफ्टो ज्योफिन को 2 अप्रैल को फ्लोरिडा के फोर्ट मायर्स में एक महिला की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया। यह शहर मियामी से लगभग 160 मील उत्तर-पश्चिम में स्थित है। अधिकारियों का कहना है कि आरोपी हैती से है और 2022 में अमेरिका आया था। मृतका की पहचान 51 वर्षीय निलुका इस्मिन के रूप में हुई है, जो बांग्लादेश मूल की थीं और दो बेटियों की मां थीं। ट्रंप ने गुरुवार देर रात अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर पर यह वीडियो साझा किया। ट्रंप अक्सर दावा करते रहे हैं कि प्रवासी अमेरिका में अपराध बढ़ा रहे हैं, और इस घटना को उन्होंने अपने इसी दल के समर्थन में पेश किया। हालांकि आलोचकों का कहना है कि ट्रंप सभी प्रवासियों को

अपराधी के रूप में पेश कर अपनी आव्रजन नीति को मजबूत करने की कोशिश करते हैं, जबकि कई अध्ययनों में पया गया है कि अवैध रूप से रह रहे प्रवासी, अमेरिका में जन्मे लोगों की तुलना में हिंसक या अन्य अपराधों में कम शामिल होते हैं। पुलिस के अनुसार, निलुका इस्मिन गैस स्टेशन के एक सुविधा स्टोर में क्लर्क के रूप में काम कर रही थीं। घटना स्टोर के बाहर हुई और आरोपी को उसी दिन गिरफ्तार कर लिया गया। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग द्वारा जारी सीसीटीवी फुटेज में दिखाई दिया कि आरोपी एक वाहन पर थोड़े से वार करता दिखाता है। इसी दौरान पीड़िता बाहर आकर उससे सवाल करती नजर आती हैं। इसके बाद आरोपी अचानक उनके सिर पर थोड़े से हमला कर देता है, जिससे वे जमीन पर गिर जाती हैं। इसके बाद आरोपी कई बार हमला करता है और मौके से फरार हो जाता है। पुलिस के अनुसार, बाद में आरोपी को सड़क पर चलते हुए पकड़ा गया और उसने अपराध कबूल कर लिया।

## अमेरिका का दावा- होर्मुज बंद करने के लिए बिछाया था बारूदी सुरंगों का जाल, अब खुद ही खोज नहीं पा रहा ईरान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका-ईरान की इस्लामाबाद में शांति वार्ता से पहले होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर एक चौकाने वाली बात सामने आई है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार ईरान कई कोशिशों के बावजूद होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह से खोल नहीं सकता है। इसकी वजह ईरान द्वारा होर्मुज में बिछाई गई समुद्री बारूदी सुरंगों हैं। ईरान ने होर्मुज को बंद करने के लिए बड़ी संख्या में समुद्री बारूदी सुरंगें बिछाई थीं। हालांकि, अब होर्मुज को खोलने के लिए तेहरान इनका पता लगाने में नाकाम हो गया है। रिपोर्ट के मुताबिक ईरान के पास उन्हें हटाने की क्षमता भी नहीं है। अमेरिका-ईरान शांति वार्ता में उठ सकता है मुद्दा : न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान के लिए यह स्थिति एक बड़ी बाधा साबित हो रही है।



दरअसल, अमेरिका ने मांग की थी कि होर्मुज जलडमरूमध्य को आगमन के लिए पूरी तरह से खोल दिया जाए। यह मुद्दा ईरानी वार्ताकारों और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के नेतृत्व वाले अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के बीच पाकिस्तान में होने वाली शांति वार्ता के लिए भी एक बड़ा मुद्दा बन सकता है। बारूदी सुरंगों से बनाया देवा, अब वही बर्नी सिरदर्द : अमेरिका-इराक द्वारा ईरान के खिलाफ युद्ध छेड़ने के बाद तेहरान

था, जिससे शुल्क का भुगतान करने वाले जहाजों को गुजरने की अनुमति मिल गई थी। आईआरजीसी ने जारी की चेतावनी : ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने जहाजों को समुद्री बारूदी सुरंगों से टकराने की चेतावनी जारी की है। वहीं, अर्ध-सर्कारी समाचार संगठनों ने सुरक्षित मार्गों को दिखाने वाले चार्ट जारी किए हैं। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि ये सुरक्षित मार्ग सीमित हैं, जिसका एक बड़ा कारण यह है कि ईरान ने जलडमरूमध्य में बारूदी सुरंगों को अव्यवस्थित तरीके से बिछाया था। यह स्पष्ट नहीं है कि ईरान ने हर बारूदी सुरंग की सटीक स्थिति दर्ज की थी या नहीं। यहां तक कि जब स्थानों को दर्ज भी किया गया था, तो कुछ बारूदी सुरंगों को इस तरह से रखा गया था कि वे बह सकती थीं या हिल सकती थीं।

## कानूनी पचड़े में फंसे प्रिंस हैरी

लंदन, एजेंसी। प्रिंस हैरी ने अपनी दिवंगत मां राजकुमारी डायना की याद में अफ्रीका में एक चैरिटी की स्थापना की थी। अब उसी चैरिटी ने प्रिंस हैरी पर मानहानि का मुकदमा दायर किया है। हैरी ने पिछले साल इस संस्था के संरक्षक पद से इस्तीफा दे दिया था। सेंटबाले नामक यह संस्था बोल्सवाना और लेसोथो में एचआईवी से पीड़ित युवाओं के लिए काम करती है। सेंटबाले ने पिछले महीने लंदन के हाई कोर्ट में मुकदमा दायर किया। अब यह जानकारी सामने आई है। ऑनलाइन दस्तावेजों के अनुसार, हैरी और उनके मित्र मार्क डायर ( जो पहले इस चैरिटी के ट्रस्टी रह चुके हैं ) पर मानहानि का आरोप लगाया गया है, हालांकि मामले से जुड़े विस्तृत दस्तावेज सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। चैरिटी ने अपनी वेबसाइट पर जारी बयान में कहा, '25



मार्च 2025 से चलाए जा रहे एक समन्वित नकारात्मक मीडिया अभियान के कारण संस्था के कामकाज और प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है। इसके मद्देनजर चैरिटी अदालत से हस्तक्षेप संरक्षण और क्षतिपूर्ति की मांग कर रही

है। वहीं, हैरी और डायर के प्रवक्ता ने इन आरोपों को पूरी तरह निराधार और अपमानजनक बताया है। पिछले तीन वर्षों में प्रिंस हैरी कई कानूनी पचड़ों में फंस चुके हैं। ब्रिटेन के प्रमुख टैबलाइड्स के खिलाफ

निजता के उल्लंघन और फोन हैकिंग जैसे आरोपों को लेकर कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं। करीब 20 वर्ष पहले स्थापित सेंटबाले का अर्थ लेसोथो की भाषा में 'फॉरगेट मी नॉट' होता है। इस संस्था की सह-स्थापना हैरी ने प्रिंस सीइसो के साथ मिलकर की थी, ताकि एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सके। यह एक ऐसा मुद्दा है, जिस पर प्रिंसेस डायना ने भी सक्रिय भूमिका निभाई थी। साल 2023 में संस्था में फंडरेजिंग रणनीति को लेकर मतभेद सामने आए। इसके बाद मार्च 2025 में दोनों संस्थापकों ने कुछ ट्रस्टियों के इस्तीफे के समर्थन में संरक्षक पद छोड़ दिया। बोर्ड की अध्यक्ष चंदौका ने हैरी पर उन्हें पद से हटाने के लिए धमकाने और उत्पीड़न का अभियान चलाने का आरोप लगाया।

## वाशिंगटन में बनेगा विजयी मेहराब: शेर-चील और सुनहरी प्रतिमाएं होंगी खास आकर्षण; 250 फीट ऊंचा का होगा भव्य आर्च



वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने राजधानी वाशिंगटन में एक नए ट्रायम्फल आर्च (विजयी मेहराब) के निर्माण की महत्वाकांक्षी योजना का अनावरण किया है। इस प्रस्तावित स्मारक में सुनहरी सजावट, विशाल पंखों वाली प्रतिमा, दो गण्ड (चील) और चार शेरों की मूर्तियां शामिल होंगी, जो इसे विश्व के सबसे अनोखे स्मारकों में से एक बना सकती हैं। कैसा होगा प्रस्तावित आर्च : इस योजना के तहत बनने वाला मेहराब अपनी नींव से लेकर पंखों वाली प्रतिमा की मशाल की नोक तक कुल 250 फीट (लगभग 76.2 मीटर) ऊंचा होगा। मेहराब के दोनों ओर सुनहरे अक्षरों में 'वन नेशन अंडर गॉर्ड' और 'लिबर्टी एंड जस्टिस फॉर ऑल' जैसे महत्वपूर्ण नारे अंकित होंगे। यह संरचना लिंकन मेमोरियल के पूर्व में और आर्लिंगटन नेशनल सेमेट्री के पश्चिम में एक प्रमुख यातायात सर्कल के बीच स्थापित की जाएगी, जो वाशिंगटन को उत्तरी वर्जीनिया से जोड़ता है। इसकी विशालता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यह मेहराब 99 फीट (लगभग 30.2 मीटर) ऊंचे लिंकन मेमोरियल को भी बौना कर देगा। ट्रंप ने क्या कहा : राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर अपनी इस

योजना को लेकर उत्साह व्यक्त करते हुए कहा कि यह दुनिया का सबसे महान और सबसे खूबसूरत विजयी मेहराब होगा। उन्होंने इसे वाशिंगटन डीसी क्षेत्र के लिए एक अद्भुत अतिरिक्त बताया, जिसका आनंद आने वाली कई दशकों तक समूह अमेरिकी उठा सकेगा। ट्रंप ने इस मेहराब को लिंकन मेमोरियल के पास बनाने की इच्छा जताई है और तर्क दिया है कि राष्ट्र की राजधानी में ऐसे स्मारक की परिकल्पना 200 साल पहले की गई थी। उन्होंने कहा कि गृह युद्ध के कारण यह योजना अधूरी रह गई थी और बाद में 1902 में भी इसे बनाने का प्रयास किया गया, ट्रंप का मानना है कि दुनिया के प्रमुख शहरों में ऐसे स्मारक मौजूद हैं।

बड़े बदलाव : यह विजयी मेहराब ट्रंप द्वारा अपने कार्यकाल में किए जा रहे कई वास्तुशिल्प परिवर्तनों में से एक है। व्हाइट हाउस में एक बड़े बॉलरूम के निर्माण के अलावा, उन्होंने ओवल ऑफिस में भी बदलाव किए हैं और रोज गार्डन को एक पत्थर से ढके आंधी में बदल दिया है। यह मेहराब व्हाइट हाउस के दायरे से भी आगे बढ़कर, ट्रंप को एक ऐसे शहर में अपनी एक स्थायी विरासत छोड़ने का अवसर देगा जो पहले से ही स्मारकों के लिए जाना जाता है।

## ब्रिटेन अगले हफ्ते स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर बातचीत करेगा : रिपोर्ट

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन अगले सप्ताह स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बिना किसी टोल के दोबारा जहाजों के लिए खोलने के मुद्दे पर अपने सहयोगी देशों के साथ अहम बातचीत करने जा रहा है। इस अहम समुद्री मार्ग को लेकर बढ़ते तनाव के बीच यह बैठक बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। ब्रिटिश विदेश मंत्री यवेट कुपर की मेजबानी में 2 अप्रैल को हुई वरचुंअल बैठक में शामिल देशों के प्रतिनिधियों के साथ यह अगली चर्चा होगी। इस बैठक में 40 से ज्यादा देशों के प्रतिनिधि शामिल होंगे, साथ ही यूरोपीय संघ और अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठन भी मौजूद थे। सूत्रों के मुताबिक, इस बैठक में ईरान पर दबाव बढ़ाने के लिए समन्वित आर्थिक और राजनीतिक कदम उठाने पर विचार किया

जाएगा। इसमें संभावित प्रतिबंध लगाने जैसे विकल्प भी शामिल हैं। साथ ही, स्ट्रेट में फंसे हजारों जहाजों और नाविकों की सुरक्षित रिहाई सुनिश्चित करने के उपायों पर भी चर्चा होगी। एक अधिकारी के अनुसार, इस बातचीत का मुख्य उद्देश्य मौजूदा तनाव को खत्म करने का स्थायी रास्ता तलाशना है। इसके तहत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ईरान पर कूटनीतिक दबाव बढ़ाने की रणनीति भी बनाई जाएगी, ताकि वह इस महत्वपूर्ण जलमार्ग को फिर से खोल सके। गौरतलब है कि इस मुद्दे पर ब्रिटेन द्वारा इस महीने आयोजित की जा रही यह तीसरी बैठक होगी। हालांकि, अगले सप्ताह होने वाली इस बैठक की सटीक तारीख अभी तय नहीं की गई है। इसी बीच, अमेरिका और ईरान के बीच हाल ही में दो हफ्ते का



युद्धविराम लागू है। अब दोनों देश पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में अहम बातचीत करने जा रहे हैं। लेकिन दोनों पक्षों के बीच अविश्वास, अलग-अलग मांगों और दबाव के कारण बातचीत काफी चुनौतीपूर्ण मानी जा रही है। द वाशिंगटन पोस्ट के अनुसार, दोनों देशों में सिर्फ एक ही बात समान है कि युद्ध से बाहर निकलने की जरूरत। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के प्रस्तावों को 'धोखा' करार दिया है और आरोप लगाया है कि ईरान टैंकरों की आवाजाही में बाधा डाल रहा है। दूसरी ओर, ईरान ने भी अपनी शर्तें साफ कर दी हैं। मोहम्मद बाकिर गालिबफ ने कहा है कि बातचीत शुरू होने से पहले 'ब्लॉक किए गए संपत्तियों' की रिहाई जैसे मुद्दों का समाधान जरूरी है।

# पश्चिम बंगाल मुस्लिम वोटर ज्यादा हटे तो बीजेपी को हो सकता है फायदा

## एसआईआर और एडजुडिकेशन की वजह से बंगाल मतदाता सूची में जेरिमेंडरिंग?

### कोलकाता ।

पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया चल रही है। इसमें पुरानी सूची की जांच होती है और गलत, मृत या दोहरे नाम वाले वोटरों को हटाया जाता है। इस बार इस प्रक्रिया में एक खास एडजुडिकेशन यानी न्यायिक निर्णय वाला स्टेप जोड़ा गया है। इसके तहत स्थानीय अधिकारी हर नाम की दोबारा जांच करते हैं। सवाल उठ रहा है कि क्या इस एसआईआर और एडजुडिकेशन की वजह से राज्य की मतदाता सूची में जेरिमेंडरिंग हो गया है? जेरिमेंडरिंग का मतलब

होता है वोटरों की संख्या या जगह को इस तरह बदलना कि किसी खास पार्टी को फायदा हो। आसान भाषा में कहें तो- चुनावी क्षेत्रों की मनमानी सीमाबंदी। यह सवाल इसलिए उठ रहा है क्योंकि मुस्लिम बहुल इलाकों और विधानसभा क्षेत्रों में वोटर हटाने की संख्या ज्यादा थी। मुस्लिम वोटर आमतौर पर बीजेपी को कम वोट देते हैं और टीएमसी या कांग्रेस को ज्यादा वोट देते हैं। इसलिए अगर मुस्लिम वोटर ज्यादा हटे तो बीजेपी को फायदा हो सकता है। पहले बिहार में एसआईआर हुआ था। एसआईआर में जो लोग हटाए गए,

वे ज्यादातर मृतक, माइग्रेट यानी अन्य जगह चले गए या दोहरी रजिस्ट्री वाले थे। इन्हें -डेडवुड- कहते हैं। हमने कहा था कि एसआईआर के बाद मतदान प्रतिशत बढ़ेगा। बिहार के 2025 चुनाव में ठीक यही हुआ। केरल और असम में भी एसआईआर या स्पेशल रिवीजन के बाद टर्नआउट बढ़ा। अब पश्चिम बंगाल में भी अभी जो कुल वोटर लिस्ट में बचे हैं, उनकी संख्या 2024 के लोकसभा चुनाव में वोट डालने वाले लोगों की कुल संख्या से काफी ज्यादा है यानी यह सच है कि एसआईआर के बाद कुल

मतदाताओं की संख्या में गिरावट के बावजूद यह संख्या अभी भी 2024 के लोकसभा चुनाव में पड़े कुल वोटों से ज्यादा है। इसका मतलब यह हुआ कि यदि आगामी विधानसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ता है, तो कुल वोटों की संख्या में कमी नहीं आएगी। लेकिन यहां चुनौती यह है कि 2021 के विधानसभा चुनाव में जहां मतदान के 81.7 फीसदी था, वहीं 2026 में इसे लगभग 88.9 फीसदी तक पहुंचाना होगा, जो अपने आप में एक बड़ा लक्ष्य है। कई सीटों पर एसआईआर के बाद मतदाताओं और पिछले चुनाव में



पड़े वोटों के बीच अंतर बहुत कम है, ऐसे में थोड़ी सी गिरावट भी कुल मतदान को प्रभावित कर सकती है। 10 अप्रैल 2026 की रिपोर्ट के मुताबिक एडजुडिकेशन यानी दोबारा जांच के दौरान वोटर

हटाने का पैटर्न पहले एसआईआर से भी ज्यादा तिख था। 2011 से अब तक कम से कम एक मुस्लिम विधायक चुनने वाली 67 विधानसभा सीटों पर नाम कटने की दर सबसे ज्यादा रही है। यही

## सुरों की मल्लिका आशा भोसले का 92 वर्ष की उम्र में निधन

### लंबी बीमारी और कार्डियक अरेस्ट के बाद मुंबई में ली अंतिम सांस, संगीत जगत में शोक की लहर



### मुंबई ।

भारतीय संगीत जगत के लिए एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। महान गायिका आशा भोसले का 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्होंने मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में अंतिम सांस ली। बताया जा रहा है कि उनके शरीर के कई अंगों में काम करना बंद कर दिया था, जिसके चलते

उनका निधन हो गया। जानकारी के अनुसार, बीती रात उन्हें कार्डियक अरेस्ट आया था, जिसके बाद तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। इससे पहले उनकी पोती जनाई भोसले ने सोशल मीडिया के माध्यम से बताया था कि आशा भोसले को सांस लेने में तकलीफ हो रही थी और उनके फेफड़ों में संक्रमण था। उन्होंने यह भी कहा था कि उनकी दादी को काफी कमजोरी महसूस हो रही है और उनका इलाज जारी है। आशा भोसले का अंतिम संस्कार मुंबई के शिवाजी पार्क में किया जाएगा, जहां उनके चाहने वाले और संगीत जगत से जुड़े लोग उन्हें अंतिम विदाई देंगे।

## वसुंधरा का छलका दर्द कहा- मैं खुद की जमीन नहीं बचा पाई तो दूसरों के लिए क्या लडूंगी?

### जयपुर ।

मुख्यमंत्री न बन पाने की टीस कहीं न कहीं भाजपा की वरिष्ठ नेता वसुंधरा राजे सिंधिया के मन में है। शायद यही वजह है कि एक बार उनका दर्द छलका और उनकी जुबान पर आ गया। उन्होंने झालावाड़ा में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि जब मैं खुद को और अपनी जमीन को नहीं बचा पाई तो आपके लिए क्या लडूंगी।

उन्होंने धौलपुर में सड़क निर्माण के दौरान अपनी जमीन चले जाने का उदाहरण देते हुए कहा, मेरा चला गया, मैं नहीं बचा सकी अपने आपको। राजे के इस बयान को राजनीतिक विश्लेषक मुख्यमंत्री पद न मिलने की टीस और पार्टी आलाकमान के प्रति उनके असंतोष के रूप में देख रहे हैं।

हालांकि, विवाद बढ़ता देख राजे ने स्पष्टीकरण दिया कि उनके शब्दों को तोड़-मरोड़कर पेश किया जा रहा है और उनका तात्पर्य पद

दरअसल, सभा में जनता को संबोधित करते हुए राजे ने मुस्कराते हुए कहा था कि जब वे खुद को और अपनी जमीन को नहीं बचा पाई, तो दूसरों के लिए क्या लडू सकती हैं।

उन्होंने धौलपुर में सड़क निर्माण के दौरान अपनी जमीन चले जाने का उदाहरण देते हुए कहा, मेरा चला गया, मैं नहीं बचा सकी अपने आपको। राजे के इस बयान को राजनीतिक विश्लेषक मुख्यमंत्री पद न मिलने की टीस और पार्टी आलाकमान के प्रति उनके असंतोष के रूप में देख रहे हैं।

हालांकि, विवाद बढ़ता देख राजे ने स्पष्टीकरण दिया कि उनके शब्दों को तोड़-मरोड़कर पेश किया जा रहा है और उनका तात्पर्य पद

से नहीं, बल्कि व्यक्तिगत अनुभवों से था। इस घटनाक्रम पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बीकानेर दौरे के दौरान बेहद सधे हुए लेकिन कड़े अंदाज में प्रतिक्रिया दी। राठौड़ ने ठेठ राजस्थानी (मारवाड़ी) कहावत- 'चिट्ठी चूर-चूर करे, मांगे डाल और घी, मोदी सु कून झगड़ो करे, चिट्ठी खानी नाल- का सहारा लेकर राजे को परीक्ष रूप से नसीहत दी। इस कहावत का अर्थ यह है कि जो कुछ भी प्राप्त हुआ है, उसमें संतोष कर उसका आनंद लेना चाहिए और जिस स्रोत से भरण-पोषण हो रहा है, उससे विवाद मोल लेना आत्मघाती हो सकता है। राठौड़ का यह कटाक्ष स्पष्ट रूप से यह संदेश देता है कि पार्टी में अनुशासन सर्वोपरि है और



वर्तमान स्थिति को स्वीकार करना ही श्रेयस्कर है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि राजे आज भी पार्टी की वरिष्ठ नेता हैं और उनके सभी कार्य समय पर हो रहे हैं। लेकिन जानकारों का मानना है कि चुनाव के काफी समय पहले ही इस तरह की बयानबाजी राजस्थान भाजपा में आंतरिक गुटबाजी और नेतृत्व के बीच की खाई को दर्शा रही है, जो आने वाले समय में बड़ी चुनौती बन सकती है।

## मेहंदीपुर बालाजी में दर्शन करने आए श्रद्धालुओं के बीच मारपीट, कई महिलाएं घायल

### बस की कार को टक्कर लगने से हुआ विवाद, पुलिस ने कई लोगों को हिरासत में लिया

### दौसा ।

दौसा जिले के मेहंदीपुर बालाजी में श्रद्धालुओं के बीच झगड़ा हो गया जो इतना बढ़ गया कि मामला मारपीट तक पहुंच गया। धार्मिक स्थल पर जहां लोग आस्था लेकर पहुंचते हैं, वहीं इस तरह की घटना ने सबको हैरान कर दिया। मौके पर मौजूद लोगों के मुताबिक सब कुछ अचानक हुआ और देखते ही देखते माहौल बिगड़ गया। घटना के बाद मंदिर हलचल बढ़ गई। श्रद्धालुओं के बीच डर नजर आया। इसमें महिला श्रद्धालुओं के साथ भी मारपीट की बात सामने आई है, जिसमें कई महिलाएं घायल हो गई हैं, जिससे लोगों में नाराजगी और गुस्सा है। पुलिस सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला।

नो एंट्री के बावजूद मेहंदीपुर बालाजी क्षेत्र में घुस गई। उसी दौरान बस चालक ने बस को पीछे लिया, तभी पीछे खड़ी यूपी की एक कार को टक्कर लग गई। बस की टक्कर के बाद कार चालक ने इसका विरोध किया, लेकिन मामला यहीं नहीं रुका। बताया जा रहा है कि बस में सवार लोग अचानक गुस्से में आ गए और कार चालक के साथ मारपीट कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि चालक को बुरी तरह पिटा। कुछ ही पलों में हालात इतने बिगड़ गए कि आसपास खड़े लोग भी सहम गए।

जब कार में सवार महिलाएं बीच-बचाव के लिए आगे आईं, तो उनके साथ भी मारपीट की गई। यह बात सामने आने के बाद लोगों में गुस्सा है। धार्मिक स्थल पर महिलाओं के साथ मारपीट से लोग गुस्से में हैं। मौके पर मौजूद



कई लोगों ने बताया कि झगड़ा काफी देर तक चलता रहा और कोई बीच में आने की हिम्मत नहीं कर सका। बाद में कुछ लोगों ने समझाने की कोशिश की, लेकिन तब तक मामला बिगड़ चुका था। घटना की सूचना मिलते ही मेहंदीपुर बालाजी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने हालात को काबू में लिया और बस में सवार कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया साथ ही बस को भी जब्त कर लिया है।

## लड़ाकू विमान मिग-29के को स्वदेशी कलपुर्जो और अधिक ताकतवर बनाया जाएगा

### नई दिल्ली ।

भारतीय नौसेना ने अपने रक्षा बेड़े को और अधिक सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ा रणनीतिक निर्णय लिया है। नौसेना ने अपने कैरियर-बेस्ड लड़ाकू विमान मिग-29के के महत्वपूर्ण सब-सिस्टम के स्वदेशी विकास और निर्माण के लिए भारतीय कंपनियों से प्रस्ताव आमंत्रित किए हैं।

इस पहल का मुख्य उद्देश्य विदेशी आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भरता को कम करना, विमानों की परिचालन उपलब्धता को बढ़ाना और आत्मनिर्भर भारत अभियान को रक्षा क्षेत्र में मजबूती प्रदान करना है।

अक्सर देखा गया है कि विदेशी कलपुर्जो की अनुपलब्धता के कारण विमानों के रखरखाव में देरी होती है, जिससे उनकी युद्धक क्षमता प्रभावित होती है। इसी



समस्या के समाधान के लिए नौसेना ने ग्राउंड ऑटोमेटेड स्ट्रेट सिस्टम और कैरियर बेस्ड ऑटोमेटेड स्ट्रेट सिस्टम के स्वदेशी डिजाइन और विकास के लिए रिक्स्टे फॉर इंप्रूवमेंशन जारी किया है।

ये प्रणालियां मिग-29के विमानों के फायल सिस्टम, एवियोनिक्स, फ्लाइट-बाय-वायर, रडार और इंजन जैसे जटिल हिस्सों के नियमित परीक्षण के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। मिग-29के एक अत्याधुनिक

सुपरसोनिक मल्टी-रोल फाइटर जेट है, जो भारतीय नौसेना के विमानवाहक पोतों-आईएनएस विक्रमादित्य और आईएनएस विक्रान्त-से संचालित होता है। यह विमान समुद्र में शक्ति प्रदर्शन, हवाई प्रभुत्व और समुद्री हमलों के लिए नौसेना का मुख्य हथियार है। इसकी विशेषताओं में ईंधन फोल्डेबल विंग्स, हवा में ईंधन भरने की क्षमता और जंग रोधी संरचना शामिल है, जो इसे कठिन समुद्री वातावरण के अनुकूल बनाती है।

## अमेरिका-ईरान में नहीं बनी बात, पर होर्मुज से आई खुशखबरी, 16 जहाजों को निकलने दिया

### इस्लामाबाद ।

अमेरिका और ईरान के बीच पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में हुई शांति वार्ता बिना किसी ठोस नतीजे के समाप्त हो गई है। इस पूरे विवाद और वार्ता का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र स्ट्रेट ऑफ होर्मुज रहा है। युद्ध के बाद से ही इस सामरिक समुद्री मार्ग पर कड़ा पहरा है। राहत की बात यह रही कि वार्ता के बेनतीजा रहने के बावजूद शनिवार को इस मार्ग से कम से कम 16 जहाज गुजरे, जो युद्धविरोध के बाद से अब तक का सबसे व्यस्त दिन दर्ज किया गया।

दोनों देशों के बीच लंबे समय से जारी तनाव को कम करने के उद्देश्य से आयोजित इस बैठक में किसी भी महत्वपूर्ण मुद्दे पर आम सहमति नहीं बन सकी। हालांकि यह वार्ता द्विपक्षीय थी, लेकिन वैश्विक भू-राजनीतिक और आर्थिक स्थिरता के लिहाज से पूरी दुनिया की निगाहें इस पर टिकी हुई थीं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार, अमेरिकी नौसेना के गाइडेड-मिसाइल डिस्ट्रॉयर यूएसएस फ्रैंक ई. पीटरसन और यूएसएस माइकल मर्फी इस क्षेत्र में पूरी तरह सक्रिय हैं। इन युद्धपोतों को विशेष रूप से ईरानी समुद्री बारूदी सुरंगों को हटाने और मार्ग को सुरक्षित करने के अभियान में लगाया गया है। निगरानी संस्था मैरिन ट्रैफिक ने पुष्टि की है कि अमेरिकी सुरक्षा घेरे में चीन, हांगकांग और लाइबेरिया के झंडे वाले तीन विशाल तेल टैंकरों को सफलतापूर्वक निकाला गया।



गहरे मतभेद का जिक्र नहीं किया। गौरतलब है कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्ग है, जहां से वैश्विक तेल आपूर्ति का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा गुजरता है। इसका बंद होना वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए किसी बड़े संकट से कम नहीं है। इस गतिरोध को तोड़ने के लिए पाकिस्तान ने एक संयुक्त गश्त का प्रस्ताव भी पेश किया है। इस्लामाबाद में हुई इस सीधी

बातचीत के दौरान पाकिस्तान ने सुझाव दिया कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार को सुचारू बनाने के लिए इस विवादित जलमार्ग में एक संयुक्त निगरानी तंत्र विकसित किया जाना चाहिए। पाकिस्तान की स्थिरता सुनिश्चित करना है। अब देखा यह होगा कि क्या भविष्य में दोनों देश इस प्रस्ताव पर विचार करते हैं या तनाव की स्थिति बरकरार रहती है।

## बिहार में अगला सीएम बीजेपी का होगा, जेडीयू सांसद ने कर दी तस्वीर साफ

### जेडीयू के होंगे दो डिटी सीएम, एनडीए ने नहीं की कोई आधिकारिक घोषणा

### पटना ।

बिहार की राजनीति एक बार फिर बड़े बदलाव के मुहाने पर खड़ी है। सीएम नीतीश कुमार के राज्यसभा सांसद बनने के बाद अब उनके सीएम पद से इस्तीफे की चर्चा तेज हो गई है। माना जा रहा है कि वे 14 अप्रैल को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे देंगे और इसके बाद राज्य में नई एनडीए सरकार के गठन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। सत्ता गठबंधन के सूत्रों के मुताबिक नीतीश कुमार पहले 14 अप्रैल को ही एनडीए विधान मंडल की बैठक बुलाएंगे और इस बैठक में वे अपने इस्तीफे की औपचारिक घोषणा करेंगे और फिर राज्यपाल

को इस्तीफा सौंप देंगे। इसके बाद 15 अप्रैल को नई सरकार का गठन होगा। इन्हीं चर्चाओं के बीच जेडीयू के झंझारपुर से सांसद रामप्रोत मंडल ने नई सरकार के फॉर्मूले पर बड़ा बयान दिया है जिससे सियासी तस्वीर साफ होती नजर आ रही है।

मंडल का कहना है कि अगला सीएम बीजेपी का होगा और यह लगभग तय माना जा रहा है। उन्होंने इशारा किया कि मौजूदा व्यवस्था में जहां सीएम जेडीयू से और दो डिटी सीएम बीजेपी से हैं। वहीं नई सरकार में समीकरण उलटते हो जाएंगे। सीएम बीजेपी का और दो डिटी सीएम जेडीयू के होंगे। यहां यह भी स्पष्ट कर दें कि एनडीए की ओर से अभी इस पर

कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। सांसद रामप्रोत मंडल ने मीडिया से बातचीत में शनिवार को दावा किया कि बीजेपी को सीएम पद तो नई सरकार में जेडीयू को दो डिटी सीएम के पद मिलेंगे। उनके मुताबिक इन दो नामों में से एक के तौर पर नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार का नाम करीब फाइनल माना जा रहा है। हालांकि पार्टी स्तर पर अभी इसे सार्वजनिक रूप से स्वीकार नहीं किया गया है, लेकिन जेडीयू के भीतर निशांत को बड़ी जिम्मेदारी देने की चर्चा लगातार चल रही है।

बता दें सीएम नीतीश कुमार के बेटे निशांत ने करीब एक महीने पहले ही औपचारिक रूप से राजनीति में एंट्री की है। नीतीश

## मणिपुर में सुरक्षा बलों की बड़ी कार्रवाई, 21 अवैध बंकर नष्ट और 13 आईईडी बरामद

### उखरुल और तेंगनीपाल जिलों में सर्च ऑपरेशन तेज



### इंफाल ।

मणिपुर में सुरक्षा बलों ने उग्रवाद और अवैध गतिविधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। राज्य के उखरुल जिला में 21 अवैध बंकरों को नष्ट कर दिया गया, जबकि अलग-अलग अभियान में तेंगनीपाल जिला से 13 आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) भी बरामद किए गए हैं। जानकारी के अनुसार, यह कार्रवाई हाल ही में हुई उस घटना के बाद की गई है, जिसमें एक बीएसएफ जवान की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस घटना के बाद क्षेत्र में सुरक्षा एजेंसियों ने सघन तलाशी अभियान तेज कर दिया है और संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त बल तैनात किए गए हैं। अधिकारियों ने मीडिया को बताया कि शनिवार को उखरुल जिले के अंतर्गत लिटान पुलिस स्टेशन क्षेत्र में आने वाले सिकिबुंग गांव में सुरक्षा बलों ने 14 अवैध बंकरों को ध्वस्त किया। इसके अलावा मोंगकोट चेपु इलाके में सात अन्य बंकरों को भी नष्ट किया गया। अभियान के दौरान सुरक्षा बलों को 11 खाली कारतूस भी बरामद हुए, जिससे इलाके में हाल ही में हुई गतिविधियों के संकेत मिलते हैं। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि ये बंकर अत्याधुनिक और उग्रवादी तत्वों द्वारा छिपने और गतिविधियों को अंजाम देने के लिए बनाए गए थे। इन बंकरों के नष्ट होने से क्षेत्र में उनकी छिपने और ऑपरेशन क्षमता पर बड़ा असर पड़ेगा। इसी तरह, तेंगनीपाल जिले में चलाए गए एक अलग सर्च ऑपरेशन में 13 आईईडी बरामद किए गए, जिन्हें समय रहते निष्क्रिय कर दिया गया, जिससे एक बड़ी संभावित दुर्घटना टल गई। अधिकारियों ने बताया कि ये विस्फोटक संवेदनशील मार्गों और इलाकों को निशाना बनाने की साजिश का हिस्सा हो सकते थे। मणिपुर के कई हिस्सों में पिछले कुछ समय से सुरक्षा स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। ऐसे में सुरक्षा बल लगातार सर्च ऑपरेशन, गश्त और तलाशी अभियान चला रहे हैं ताकि शांति व्यवस्था बहाल की जा सके।

## जेद्दा जा रहे यात्रियों को लखनऊ एयरपोर्ट पर विमान से उतारा, यात्री नाराज

### लखनऊ ।

सऊदी एयरलाइंस की जेद्दा जाने वाली फ्लाइट एसवी-893 से 54 यात्रियों को लखनऊ एयरपोर्ट पर ही उतार दिया। एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक ये सभी यात्री लखनऊ से जेद्दा जा रहे थे। वहां से दुबई कनेक्टिंग फ्लाइट एसवी-588 से जाना था, लेकिन कनेक्टिंग फ्लाइट को अचानक रद्द कर दिया गया। इस वजह से यात्रियों के टिकट रद्द कर दिए गए और उन्हें लखनऊ में ही रोक दिया। यह घटना बीती रात की है। उड़ान का तय समय तड़के 2:30 बजे था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस अचानक लिए गए फैसले से यात्रियों में नाराजगी दिखाई। यात्रियों ने आरोप लगाया कि उन्हें समय रहते सूचना नहीं दी गई और न ही कोई वैकल्पिक व्यवस्था की गई। शुरुआत में रिफंड न मिलने से वह आक्रोशित भी थे। बाद में एयरलाइन अधिकारियों ने रिफंड का आश्वासन दिया, जिसके बाद यात्री घर लौट गए। सूत्रों का कहना है कि खाड़ी क्षेत्र में चल रहे तनाव और युद्ध जैसी स्थिति के कारण कनेक्टिंग फ्लाइट रद्द की गई। हालांकि, इस संबंध में एयरलाइन की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

## पत्नी का ऑपरेशन कराने अस्पताल गए वकील के घर का ताला तोड़कर लाखों की चोरी

### गोरखपुर ।

पत्नी का ऑपरेशन कराने अस्पताल गए वकील के भरवाल्यां बुजुर्ग मोहल्ले में स्थित घर का ताला तोड़कर चोर दिनदहाड़े चोरी कर कर ले सामान ले गए। जब परिवार लौटा तो घटना की जानकारी लगी। घर में लगे सीसी कैमरे में आते-जाते चोर कैद हो गए। रामगढ़ताल थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर चोरी की पहचान की कोशिश में जुट गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अश्वमेध नगर, भरवाल्यां बुजुर्ग में रहने वाले वकील सतीश कुमार मिश्रा ने शिकायत दर्ज कराई है कि 10 अप्रैल सुबह करीब 8 बजे अपनी पत्नी का ऑपरेशन कराने के वह अस्पताल गए थे। दोपहर करीब 12 बजे जब वह घर लौटे तो मकान के मेन गेट का ताला टूटा मिला। अंदर जाकर देखा तो आलमगारी खुली पड़ी थी और उसमें रखे सभी गहने गायब थे। चोरी गए सामान में गले की चेन, मंगलसूत्र, सात अंगूठियां, पांच जोड़ी झूमके, हार, चार पायल, 10 चांदी के सिक्के और ब्रेसलेट शामिल हैं। चोरी गए जेवरों की कीमत लाखों में बताई जा रही है।